RNI. NO. RAJHIN/2021/82156

डाक पंजीयन संख्याः RJ/ALW/866/23-25

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा

जज्बा सच दिखाने का

वर्ष -05 | अंक -286 | मूल्यः 2.00 रू. | अलवर, सोमवार 29 दिसम्बर, 2025 | प्रभात संस्करण | कुल पेज- 8

WWW.Voiceofpratigya.com | Twitter.com/Voiceofpratigya | facebook.com/Voiceofpratigya | YouTube.com/Voiceofpratigya | Instagram- Instagram.com/Voiceofpratigya | 9414508610 | pratigya.alwar@gmail.com

मन की बात कार्यक्रम की 129वीं कड़ी

हमारी युवा शक्ति के कारण दुनिया को भारत से उम्मीद वर्ष 2026 में देश नए संकल्पों के साथ आगे बढ़ने को तैयारः भजनलाल शर्मा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम की 129वीं कड़ी में देशवासियों को संबोधित किया। वर्ष 2025 में इस कार्यक्रम की यह अंतिम कड़ी थी। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में वर्ष 2025 में देश को विभिन्न क्षेत्रों में मिली उपलब्धियों और सफलताओं का जिक्र करते हुए उम्मीद जताई कि वर्ष 2026 विकसित भारत के संकल्प की सिद्धी में महत्वपूर्ण पड़ाव साबित होगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री निवास पर आमजन के साथ मन की बात कार्यक्रम को सुना। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि देश ने वर्ष 2025 में अंतरिक्ष, विज्ञान, तकनीक, खेल, पर्यावरण सहित विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की। उन्होंने कहा कि प्रयागराज में महाकुंभ के आयोजन और अयोध्या मंदिर में ऐतिहासिक ध्वजारोहण ने हर भारतीय को गौरवान्वित किया। वर्ष 2026 में देश नई उम्मीदों और संकल्पों के साथ आगे

बढ़ने को तैयार है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी युवा शक्ति के कारण पूरी दुनिया को भारत से बहुत आशाएं हैं। युवा अपनी मेहनत, लगन और रचनात्मक सुझावों से राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष स्वामी विवेकानन्द की जयंती पर विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2026 का आयोजन किया जाएगा, जो युवाओं के लिए अपने सुझाव साझा करने का महत्वपूर्ण मंच होगा। मोदी ने तकनीकी युग में लोगों की जिंदगी में तेजी से आ रहे बदलाव के बारे में चर्चा करते हुए स्मार्ट इंडिया हैकेथॉन-2025 में युवाओं की उत्साहपूर्वक भागीदारी के बारे में बताया। इसके साथ ही, उन्होंने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस में आयोजित होने वाले गीतांजलि आईआईएससी कार्यक्रम की भी बात की। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में मणिपुर में सौर ऊर्जा के माध्यम से बिजली समस्या के समाधान, बांस से तैयार हैंडीक्राफ्ट उत्पादों तथा फूलों की खेती के माध्यम से महिलाओं के आत्मनिर्भर होने की भी चर्चा की। उन्होंने जम्मू-कश्मीर की प्राचीन सांस्कृतिक विरासत और कच्छ रणोत्सव का भी उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि अगले माह देश 77वां गणतंत्र दिवस मनाने जा रहा है। देश की आजादी में अनेकों लोगों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया, लेकिन उन्हें वह सम्मान नहीं मिल पाया जो उन्हें मिलना चाहिए था। ओडिशा की पार्वती गिरि ऐसी ही एक स्वतंत्रता सेनानी थी, जिन्होंने आजादी आंदोलन में हिस्सा लेने के साथ ही अनाथालयों की स्थापना के माध्यम से समाज सेवा भी की। मोदी ने भारतीय भाषाओं के देश-दुनिया में हो रहे प्रचार-प्रसार के बारे में बताते हुए कहा कि दुबई में कन्नड़ परिवारों द्वारा कन्नड़ पाठशाला की शुरूआत तथा फिजी के विद्यालय में तमिल दिवस मनाने की शुरूआत इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि देश में भी काशी तमिल संगमम जैसे आयोजनों के माध्यम से हिंदी भाषी राज्यों के बच्चों को अन्य भाषाएं सिखाई जा रही है, जिससे उत्तर प्रदेश के बच्चे भी सरलता से तमिल बोल पा रहे हैं। मोदी ने निमोनिया जैसी बीमारियों के खिलाफ एंटीबायोटिक दवाओं के बेअसर साबित होने पर चिंता व्यक्त करते हुए चिकित्सकीय परामर्श के बिना इनके इस्तेमाल से बचने की सलाह दी। साथ ही, उन्होंने व्यायाम को दिनचर्या में अनिवार्य रूप से शामिल कर सेहतमंद रहने पर भी जोर दिया। इस दौरान विधायक डॉ. गोपाल शर्मा, पूर्व विधायक रामलाल शर्मा सहित विभिन्न जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

अरावली पर प्रदर्शन नहीं करने वाले 8 जिलाध्यक्षों को नोटिस देगी कांग्रेस

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

अरावली क्षेत्र में अवैध खनन को लेकर कांग्रेस ने भजनलाल सरकार पर तीखा हमला बोला है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने आरोप लगाया है कि अरावली में अवैध खनन में बीजेपी के मंत्री और विधायक हिस्सेदार हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने इस संवेदनशील क्षेत्र को खनन माफियाओं के हवाले कर दिया है। डोटासरा ने कहा कि जब मौजूदा सरकार सत्ता में आई थी, तब अवैध खनन के खिलाफ सात दिन का अभियान चलाया गया था, लेकिन उसके बाद यह कार्रवाई केवल औपचारिकता बनकर रह गई। उन्होंने चिंता जताई कि पिछले दो वर्षों में अरावली क्षेत्र के पहाड़ तेजी से गायब हो रहे हैं। डोटासरा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और खनन मंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकारी अधिकारी, बीजेपी के मंत्री और विधायक अवैध खनन में हिस्सेदारी रखते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यह पहली सरकार है जिसने खनन माफियाओं को खुली छूट दी है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ने मात्र एक महीने में अरावली क्षेत्र में 52 खनन टेंडर जारी कर दिए। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि हाल के महीनों में हजारों अवैध खनन स्थलों को नियमित किया जा रहा है, जो पहले कानून के तहत बंद थे। उन्होंने विधानसभा सत्र में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के नेतृत्व में कांग्रेस द्वारा इस मुद्दे पर सरकार को कड़े कदम उठाने के लिए मजबूर करने की चेतावनी दी। डोटासरा ने बताया कि अरावली और अवैध खनन के खिलाफ कांग्रेस के आह्वान के बावजूद प्रदेश के आठ जिलों में अब तक प्रदर्शन नहीं हुए हैं। ऐसे में संबंधित जिला कांग्रेस अध्यक्षों को नोटिस देने की तैयारी की जा रही है और उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। भाजपा के प्रवक्ता रामलाल शर्मा ने कांग्रेस के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि डोटासरा को अवैध खनन में हिस्सेदारी का अनुभव है, क्योंकि उनके कार्यकाल में भी यह समस्या मौजूद थी। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार में पांच विभागों की संयुक्त टीमें अवैध खनन के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही हैं। रामलाल शर्मा ने यह भी बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अरावली क्षेत्र में वृक्षारोपण के लिए 200 करोड़ रुपये का फंड जारी किया है।

कांग्रेस सिर्फ राजनीतिक संगठन नहीं, भारत की आत्मा की आवाजः राहुल गांधी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

आज कांग्रेस का 140वां स्थापना दिवस है। इस अवसर पर राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस सिर्फ एक राजनीतिक पार्टी नहीं है, बल्कि भारत की आत्मा की आवाज है, जो हमेशा कमजोर, वंचित और मेहनतकश लोगों के साथ खड़ी रही है। राहुल गांधी ने यह बात पार्टी मुख्यालय इंदिरा भवन में आयोजित स्थापना दिवस समारोह में कही। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि हमारा संकल्प है कि हम सत्य, साहस की लड़ाई और संविधान की रक्षा में और भी मजबूत होकर खड़े हों, और घृणा, अन्याय और तानाशाही के खिलाफ लड़ें। राहुल गांधी ने सभी कांग्रेस नेताओं को बधाई देते हुए कहा कि हम उन महान बलिदानों और ऐतिहासिक विरासत को नमन करते हैं, जिन्होंने भारत को आजादी दिलाई, संविधान की नींव रखी और लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता, सामाजिक न्याय और समानता के मूल्य मजबूत किए। ससे पहले कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इंदिरा भवन में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और कांग्रेस के 140 साल के इतिहास और योगदान को याद किया। वहां उपस्थित लोगों को संबोधित करने हुए खरगे ने देशवासियों को शुभकामनाएं दी और पार्टी के इतिहास और आदर्शों पर प्रकाश डाला। बता दें कि इंदिरा भवन में आयोजित ध्वजारोहण समारोह में संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और पार्टी के

अन्य वरिष्ठ नेता शामिल हुए। पार्टी अध्यक्ष खरगे ने लोगों को संबोधित करते हुए कांग्रेस ये योगदान पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस हमेशा भारतवासियों के कल्याण, सशक्तिकरण और समावेशी विकास के लिए काम करती रही है। खरगे ने बताया कि 28 दिसंबर 1885 को मुंबई में कांग्रेस की स्थापना हुई थी। उन्होंने कहा कि पिछले 62 वर्षों में करोड़ों कांग्रेसी देश के लिए संघर्ष करते रहे, जेल गए और स्वतंत्रता के लिए लड़ते रहे, जिससे भारत को आजादी मिली। इस दौरान मल्लिकार्जुन खरगे ने कांग्रेस पार्टी के संस्थापकों और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही यह भी भरोसा दिलाया कि कांग्रेस हमेशा उस भारत के लिए काम करती रहेगी जिसकी कल्पना उसके संस्थापकों ने की थी। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी के नेतृत्व में गरीब और किसान लगातार लड़ते करते और आज संविधान और लोकतंत्र पर खतरा मंडरा रहा है।

इस साल ने कई उपलब्धियों से देश को जोड़ा, 2025 के आखिरी 'मन की बात' में बोले पीएम मोदी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ' मन की बात ' के 129वें एपिसोड को संबोधित किया। देश को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत नई उम्मीदों और नए संकल्पों के साथ आगे बढ़ने के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि इस साल ने कई उपलब्धियों से देश को जोड़ा। बता दें कि ये 2025 के मन की बात कार्यक्रम का आखिरी एपिसोड है। पीएम मोदी ने आगे कहा कि इस साल 'ऑपरेशन सिंदूर' हर भारतीय के लिए गर्व का प्रतीक बन गया। दुनिया ने साफ देखा कि आज का भारत अपनी सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करता। 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान, दुनिया के हर कोने से भारत माता के प्रति प्यार और भक्ति की तस्वीरें सामने आईं। यही भावना तब भी देखने को मिली जब 'वंदे मातरम' के 150 साल पूरे हुए।

भारत में चीतों की संख्या हुई 30 से ज्यादा

प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि भारत ने साइंस और स्पेस के क्षेत्र में भी बड़ी छलांग लगाई है। शुभांशु शुक्ला इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पहुंचने वाले पहले भारतीय बने। पर्यावरण सुरक्षा और वन्यजीव संरक्षण से जुड़ी कई पहल भी 2025 में शुरू हुईं। भारत में अब चीतों की संख्या 30 से ज्यादा हो गई है।

महाकुंभ ने सबको गर्व से भर दिया

पीएम मोदी ने आगे कहा कि 2025 में आस्था, संस्कृति और भारत की अनोखी विरासत सब एक साथ देखने को मिलीं। साल की शुरुआत में प्रयागराज महाकुंभ के आयोजन ने पूरी दुनिया को हैरान कर दिया। साल के आखिर में अयोध्या में राम मंदिर में झंडा फहराने की सेरेमनी ने हर भारतीय को गर्व से भर दिया। स्वदेशी के बारे में बात करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि लोगों ने स्वदेशी प्रोडक्ट्स के लिए भी बहुत उत्साह दिखाया है। लोग सिर्फ भारतीय की मेहनत से बने सामान खरीद रहे हैं। आज हम गर्व से कह सकते हैं कि 2025 ने भारत को और भी ज्यादा आत्मविश्वास दिया है। बता दें कि मन की बात को 22 भारतीय भाषाओं और 29 बोलियों के अलावा 11 विदेशी भाषाओं में भी प्रसारित किया जाता है। इनमें फ्रेंच, चीनी, इंडोनेशियाई, तिब्बती, बर्मी, बलूची, अरबी, पश्तो, फारसी, दारी और स्वाहिली शामिल हैं। मन की बात की ब्रॉडकास्टिंग आकाशवाणी के 500 से अधिक ब्रॉडकास्टिंग सेंटर से होती है।

जो कहते हैं कि कांग्रेस खत्म हो गई है, वे सुन लें... पार्टी के स्थापना दिवस पर खरगे ने बीजेपी को घेरा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

कांग्रेस के स्थापना दिवस पर आज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में झंडा फहराया। इस मौके पर मल्लिकार्जुन खरगे ने अपना संबोधन भी दिया। खरगे ने भाजपा और आरएसएस पर निशाना साधते हुए कई गंभीर आरोप भी लगाए। उन्होंन कांग्रेस को खत्म करने की बात करने वालों को चुनौती दे दी। उन्होंने कहा कि हमें साथ मिलकर कांग्रेस की सोच और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाना है। सभी को सामाजिक न्याय दिलाकर, खुशहाल हिंदुस्तान बनाना है। खरगे ने कहा कि 28 दिसंबर, 1885 को मुंबई में कांग्रेस की स्थापना हुई थी। तब से 62 साल तक करोड़ों कांग्रेसजनों ने अंग्रेजों से संघर्ष किया, त्याग और बलिदान दिया, जेल में मुश्किल यातनाएं सहन की, तब जाकर देश आजाद हुआ। मैं कांग्रेस के सभी निर्माताओं और स्वाधीनता सेनानियों को श्रद्धांजलि देता हूं। संविधान और मजबूत लोकतंत्र की स्थापना करने वाले नायकों को नमन करते हुए कहना चाहता हूं कि उनके सपनों के भारत के लिए कांग्रेस हर संभव प्रयास जारी रखेगी। आजादी के पहले कांग्रेस ने मौलिक अधिकारों का जो स्वरूप बनाया था, वह हमारे संविधान का हिस्सा बना, लेकिन आज संविधान और लोकतंत्र दोनों खतरे में है। मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि जो कहते हैं- 'कांग्रेस खत्म हो गई है' उन्हें मैं बताना चाहता हूं- हमारे पास सत्ता कम हो सकती है, लेकिन हमारी रीढ़ अभी भी सीधी है। हमने समझौता नहीं किया, न संविधान से, न धर्मनिरपेक्षता से, न गरीबों के हकों से।

'कोई डेडलाइन नहीं, यूक्रेन युद्ध खत्म करने पर फोकस', जेलेंस्की से मुलाकात के बाद बोले ट्रंप

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली।

रविवार को अमेरिका के डोनल्ड ट्रंप ने रूस के साथ युद्ध खत्म करने को लेकर अहम बातचीत के लिए यूक्रेन के वलोदिमीर जेलेंस्की का फ्लोरिडा स्थित अपने एस्टेट में स्वागत किया। दोनों नेताओं ने मार-ए-लागो रिजॉर्ट के बाहर खड़े हुए और पत्रकारों को संबोधित किया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि यूक्रेन युद्ध खत्म करने के लिए राजनयिक प्रयास अंतिम चरण में हैं। ट्रंप ने कहा, 'मुझे लगता है कि हम बातचीत के आखिरी दौर में हैं और हम देखेंगे। नहीं तो यह बहुत लंबे समय तक चलेगा।' उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रोसेस के लिए उनकी कोई डेडलाइन नहीं है। ट्रम्प ने कहा कि

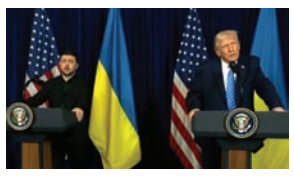

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन शांति को लेकर बहुत गंभीर थे। उन्होंने आगे कहा कि यूक्रेन की सुरक्षा की गारंटी के लिए एक मजबूत समझौता होगा, जिसमें यूरोपीय देश शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि जेलेंस्की के साथ मीटिंग से कुछ घंटे पहले उन्होंने रूसी नेता व्लादिमीर पुतिन के साथ फायदेमंद बातचीत की। ट्रंप ने यह भी कहा, 'रूस चाहता है कि यूक्रेन सफल हो। यह बात थोड़ी अजीब लग सकती है, लेकिन मैं प्रेसिडेंट को समझा रहा था

पीएम मोदी के जीवन और विचारों की झलक बना 'नमोत्वव', अमित शाह बोले- यह आत्मविश्वासी भारत की यात्रा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा गांधीनगर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन, विचारों, कार्य संस्कृति और राष्ट्र के प्रति उनके समर्पण को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित भव्य संगीत-मल्टीमीडिया शो 'नमोत्वव' का उद्घाटन केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने किया। यह कार्यक्रम अहमदाबाद के संस्कारधाम, घुमा में आयोजित हुआ, जिसमें 150 से अधिक कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। अमित शाह ने कहा कि नमोत्वव केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भारत के आत्मविश्वास, संकल्प और मूल्यों की जीवंत यात्रा है। उन्होंने कहा कि बीते 11 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 140 करोड़ देशवासियों के मन में यह दृढ़ विश्वास पैदा किया है कि भारत दुनिया में नंबर वन बन सकता है। यह आत्मविश्वास विचार, योजना, निर्णायक कार्रवाई और अटूट संकल्प से पैदा होता है। अमित शाह ने कहा कि नरेंद्र मोदी कोई साधारण नेता

नहीं, बल्कि असाधारण व्यक्तित्व हैं, जिन्होंने निर्धन परिवार से निकलकर ईमानदारी, पारदर्शिता और राष्ट्रहित के बल पर सर्वोच्च पद तक का सफर तय किया। आज उन्हें 29 देशों के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों से नवाजा जाना, केवल एक व्यक्ति नहीं बल्कि पूरे भारत का सम्मान है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के 11 वर्षों के कार्यकाल की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि 27 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले, 81 करोड़ को मुफ्त खाद्यान्न, 11 करोड़ से अधिक गैस कनेक्शन, 15 करोड़ शौचालय, 10 करोड़ घरों में नल से जल, 56 करोड़ लोगों का बैंकिंग से जुड़ाव और 4 करोड़ पक्के मकान ये सभी मजबूत इच्छाशक्ति और नीति का परिणाम हैं। गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए ज्योतिग्राम योजना से गांवों तक 24 घंटे बिजली पहुंचाने से लेकर आज देश को विकास का मॉडल देने तक, यही कार्य संस्कृति अब पूरे भारत की प्रेरणा बन चुकी है। अमित शाह ने कहा कि राम मंदिर निर्माण, अनुच्छेद 370 का निरसन, आतंकवाद पर सख्त रुख, डिजिटल क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था यह मजबूत संकल्प का प्रमाण हैं। उन्होंने कहा कि नमोत्वव नई पीढ़ी में देशभक्ति, सेवा और मूल्यों की भावना को मजबूत करेगा। यह आयोजन केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि उस भारत को गढ़ने की प्रेरणा है, जिसकी कल्पना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की है। कार्यक्रम में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी, कई मंत्री, सांसद, सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र की जानी-मानी हस्तियां मौजूद रहीं। प्रसिद्ध कलाकार साईराम दवे के नेतृत्व में प्रस्तुत इस शो में संगीत, दृश्य और तकनीक के माध्यम से प्रधानमंत्री मोदी के जीवन सफर को मंच पर उतारा गया।

अरावली विवाद पर सीजेआई की अध्यक्षता में 3 जजों की बेंच आज करेगी सुनवाई

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

अरावली रेंज की परिभाषा को लेकर पर्यावरणविदों और विपक्षी दलों की चिंता, गहराते विवाद, आंदोलन और बढ़ती आलोचना के बीच सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर स्वतः संज्ञान लेते हुए फिर से सुनवाई करने का फैसला किया है। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अध्यक्षता में तीन जजों की पीठ सोमवार को इस मामले पर सुनवाई करेगी। सीजेआई के अलावा इस पीठ में न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और आगस्टीन जार्ज भी हो सकते हैं। विवाद की जड़ केंद्र द्वारा अरावली पर्वतमाला की वह नई परिभाषा है, जो 100 मीटर ऊंचाई के मानदंड पर आधारित है। पर्यावरणविदों का कहना है कि इस एकरूप मानदंड के कारण हरियाणा, राजस्थान और गुजरात में फैली प्राचीन

अरावली श्रृंखला के लगभग 90 प्रतिशत हिस्से को 'अरावली' की श्रेणी से बाहर किया जा सकता है, जिससे वहां खनन गतिविधियों का रास्ता साफ हो जाएगा। इससे पहले 20 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने अरावली पर्वतमाला की एक समान और वैज्ञानिक परिभाषा को स्वीकार करते हुए दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात में इसके दायरे में आने वाले क्षेत्रों में नई खनन लीज देने पर रोक लगा दी थी। यह रोक तब तक लागू रहेगी, जब तक विशेषज्ञों की रिपोर्ट सामने नहीं आ जाती। सुप्रीम कोर्ट ने पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समिति की सिफारिशों को स्वीकार किया है। समिति के अनुसार, अरावली जिले में स्थित कोई भी भू-आकृति, जिसकी ऊंचाई स्थानीय भू-स्तर से 100 मीटर या उससे अधिक हो, 'अरावली पहाड़ी' मानी जाएगी। वहीं, 500 मीटर की दूरी के भीतर स्थित दो या अधिक ऐसी पहाड़ियां मिलकर 'अरावली रेंज' कहलाएंगी। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, अरावली विरासत जन अभियान से जुड़ी पर्यावरणविद नीलम अहलूवालिया ने इस परिभाषा को 'पूरी तरह अस्वीकार्य' करार देते हुए सुप्रीम कोर्ट से 20 नवंबर के अपने आदेश को वापस लेने और केंद्र से नई परिभाषा को रद करने की मांग की है। उनका आरोप है कि यह बदलाव बिना पर्याप्त वैज्ञानिक अध्ययन और जनपरामर्श के किया गया। उन्होंने कहा कि अरावली जैसे संवेदनशील पर्वतीय पारिस्थितिकी तंत्र में 'सतत खनन' की कोई अवधारणा ही नहीं हो सकती। पर्यावरणविदों की मुख्य आपत्ति यह है कि ऊंचाई आधारित परिभाषा अरावली के जटिल और प्राचीन भू-आकृतिक स्वरूप को नजरअंदाज करती है। उनका कहना है कि इससे जल सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा और जलवायु संतुलन पर गंभीर असर पड़ेगा, जो करोड़ों लोगों के जीवन से जुड़ा है। साथ ही, सरकार के इस दावे पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं कि नई परिभाषा से केवल दो प्रतिशत क्षेत्र ही प्रभावित होगा, क्योंकि इससे जुड़े कोई ठोस आंकड़े सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। आलोचकों ने यह भी याद दिलाया कि सुप्रीम कोर्ट की केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति (सीईसी) ने मार्च 2024 में पूरी अरावली श्रृंखला का व्यापक पर्यावरणीय प्रभाव आकलन कराने की सिफारिश की थी, जो अब तक नहीं हुआ। पर्यावरणविदों का दावा है कि अरावली क्षेत्र के 37 जिलों में पहले से ही वैध और अवैध खनन जारी है, जिससे वनों की कटाई, भूजल स्तर में गिरावट, नदियों का प्रदूषण और स्वास्थ्य संकट पैदा हो रहा है। पर्यावरण संगठनों की मांग है कि स्वतंत्र वैज्ञानिक आकलन और जनता से परामर्श होने तक खनन पर रोक लगाई जाए और यह स्पष्ट किया जाए कि पुरानी वन सर्वेक्षण मानदंडों की तुलना में नई परिभाषा के तहत कितना क्षेत्र वास्तव में संरक्षित रहेगा।

बैंक लोन के नाम पर पैसों का गबन, 21 महीने से फरार आरोपी गिरफ्तार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

अलवर में बैंक लोन दिलाने के नाम पर सरकारी कर्मचारी से लाखों रुपये का गबन करने के मामले में कोतवाली थाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने करीब 21 महीनों से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामले की जानकारी कोतवाली थाने के सब इंस्पेक्टर ओमप्रकाश ने दी। पुलिस के अनुसार आरोपी ने खुद को बैंक का अधिकृत एजेंट बताकर पीड़ित को लोन स्वीकृत कराने का झांसा दिया। शुरुआत में आरोपी ने कम राशि का लोन पास कराने की बात कही और विश्वास में लेकर पीड़ित से पैसे वसूले। इसके बाद अधिक लोन दिलाने का भरोसा दिलाते हुए आरोपी ने पीड़ित से चेक हासिल कर लिया। आरोपी ने वह चेक अपने एक परिचित के खाते में जमा कराकर पूरी राशि निकाल ली और पैसों का गबन कर फरार हो गया। पीड़ित की रिपोर्ट पर कोतवाली थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और लगातार निगरानी के आधार पर आरोपी की तलाश जारी रखी। करीब 21 महीने बाद पुलिस ने आरोपी विशाल कुमार सोमवंशी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी से इसी तरह के अन्य मामलों की जानकारी भी सामने आई है। पुलिस अब आरोपी के आपराधिक रिकॉर्ड की जांच कर रही है और यह पता लगाने में जुटी है कि इस गबन में अन्य लोग भी शामिल थे या नहीं। मामले में आगे की जांच जारी है।

उद्योग नगर थाना पुलिस की कार्रवाई, 10 हजार का इनामी मोटरसाइकिल चोर गिरफ्तार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

अलवर में वाहन चोरी की बढ़ती घटनाओं पर लगाम कसते हुए उद्योग नगर थाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने 10 हजार रुपये के इनामी मोटरसाइकिल चोर को गिरफ्तार कर एक मामले का खुलासा किया है। यह कार्रवाई तकनीकी साक्ष्यों और आसूचना के आधार पर की गई। पुलिस के अनुसार 3 नवंबर 2025 को उद्योग नगर थाने में एक परिवादी ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। परिवादी ने बताया कि 25 अक्टूबर 2025 की रात करीब 9 बजे उसने अपनी रॉयल एनफील्ड बुलेट मोटरसाइकिल घर के बाहर खड़ी की थी। अगली सुबह देखने पर मोटरसाइकिल वहां से गायब मिली। इस पर उद्योग नगर थाने में मुकदमा संख्या 391/2025 धारा 303(12) बीएनएस के तहत दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने 10 हजार रुपये के इनामी आरोपी कंवरपाल पुत्र केहरी सिंह, उम्र 21 वर्ष, निवासी निठारी थाना मालाखेड़ा जिला अलवर को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि इस प्रकरण में पूर्व में गिरफ्तार आरोपी राजेन्द्र उर्फ टिंकू से चोरी की गई रॉयल एनफील्ड मोटरसाइकिल पहले ही बरामद की जा चुकी है। पुलिस का कहना है कि वाहन चोरी में शामिल आरोपियों के खिलाफ आगे भी लगातार सख्त कार्रवाई की जाएगी, ताकि अपराधों पर नियंत्रण रखा जा सके और आमजन में सुरक्षा का भरोसा बना रहे।

श्री सार्वजनिक पुस्तकालय में कार्यकारिणी की सभा आयोजित

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा लक्ष्मणगढ़

कस्बे की श्री सार्वजनिक पुस्तकालय में कार्यकारिणी की सभा का आयोजन अध्यक्ष रवि शर्मा की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में पुस्तकालय से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा कर कई निर्णय सर्वसम्मति से लिए गए। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी 26 जनवरी को श्री सार्वजनिक पुस्तकालय की ओर से कुश्ती दंगल के आयोजन पर सहमति बनी। साथ ही आयोजन की तैयारियों को समय पर पूरा करने पर जोर दिया गया। जनवरी माह में नई सदस्यता अभियान चलाने और फरवरी माह में वार्षिक चंदा जमा करने के प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई। पुस्तकालय के खराब और अनुपयोगी सामान की नीलामी कर बिक्री करने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा पुस्तकालय के बाहर स्थित हाल में पार्टीशन कराने तथा गोदरेज की अलमारी लगवाने पर भी सहमति बनी। बैठक में कार्यरत कर्मचारियों की वेतन वृद्धि को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया। सभा में ईश्वर नकड़ा, राम सिंह बाबूजी, अमर चावला, यादराम बसवाल, राजेश तिवारी, आनंद आर्य, गोविंद साहू, सुभाष पटवा, असलम खान, श्याम बुंदेला, ओम प्रकाश शर्मा, मुकुट अवस्थी, सुभाष रोनपुर सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में हुआ 52 यूनिट रक्त संग्रह

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा लक्ष्मणगढ़

कस्बे के कठूमर रोड स्थित वसुंधरा ग्राउंड में इनाया नर्सिंग होम केयर के सौजन्य से इनाया नर्सिंग होम में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का संचालन खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रूपेंद्र शर्मा और डॉ. तारीफ खान की देखरेख में जीवनधारा ब्लड बैंक अलवर द्वारा किया गया। रक्तदान शिविर में युवाओं का उत्साह देखने लायक रहा। शिविर के दौरान कुल 52 यूनिट रक्त का संग्रह किया गया, जो जरूरतमंद मरीजों के लिए उपयोगी रहेगा। विशेष बात यह रही कि शिविर में 13 रक्तदाताओं ने पहली बार रक्तदान किया, जिससे युवाओं में बढ़ती जागरूकता और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश मिला। आयोजकों ने बताया कि स्वैच्छिक रक्तदान से न केवल जरूरतमंदों की जान बचाई जा सकती है, बल्कि यह समाज के प्रति एक महत्वपूर्ण सेवा भी है। रक्तदाताओं को स्वास्थ्य जांच के बाद ही रक्तदान कराया गया, जिससे उनकी सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा गया। शिविर में खुशी खान, साजिद खान, आरिफ खान, इकबाल खान, समसू, रविन्द्र कुमार, अस्मीन खान, रफीक खेलदार, श्याम खत्री, आर्यन खान, राजेंद्र लोधा, गज्जू, हेमू जाट, गुलशन, भरत गुर्जर, इमरान खेलदार, रज्जाक, जावेद, सब्बीर, साहून, प्रवीण शर्मा, विशाल वाल्मीक, सोनू, सूर्यकांत कोशिक, चंद्रकांत कोशिक सहित जीवनधारा ब्लड बैंक की टीम मौजूद रही। आयोजन को सफल बनाने में सभी का सहयोग सराहनीय रहा।

युवा खेल सप्ताह में बॉक्सिंग सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

युवा खेल सप्ताह के तहत अलवर में बॉक्सिंग, योगा, टेबल टेनिस, कराटे, पावर लिफ्टिंग और वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया और अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। समिति के सचिव रजनीश जैमन ने बताया कि कराटे प्रतियोगिता में बालिका वर्ग के विभिन्न वर्गों में तिथि गुप्ता, जिविका और सौम्य जैन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं बालक वर्ग में हर्षवर्धन, मनन, गर्वित शर्मा और अभिनव अपने-अपने वर्ग में विजेता रहे। बॉक्सिंग प्रतियोगिता के बालक वर्ग में हेमंत, वैभव शर्मा, रियाज, दिवेश कुमार, फरान, अरबाज, रिहान, अंकित और जतिन ने प्रथम स्थान हासिल किया। पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में हर्षित सिंह, अरबाज खान, गौरव गुप्ता, गरविन्द्र सिंह, शुभम सिंह, सत्येन्द्र प्रजापत, संकेत कुमार, सागर गुर्जर और करन सिंह चौहान विजेता रहे। वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में कबीर खान, नवीन सैनी, परमजीत सिंह, डेविस, अंकित सैनी, रिक्की अली और गजेन्द्र सिंह ने अपने-अपने वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया। आयोजकों ने कहा कि ऐसे आयोजनों से युवाओं में खेलों के प्रति रुचि बढ़ती है और प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है।

4.5 करोड़ की विकास सौगात से गोविन्दगढ़ में बदलेगा जल प्रबंधन का चेहरा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा गोविन्दगढ़

कस्बे में वर्षों से चली आ रही पेयजल समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। अमृत योजना 2.0 के तहत 4.5 करोड़ रुपये की लागत से चार नए ट्यूबवेल, दो आधुनिक पानी की टंकियां और विस्तृत पाइपलाइन नेटवर्क का कार्य शुरू हो चुका है। योजना के पूरा होते ही गोविन्दगढ़ के प्रत्येक मोहल्ले और बस्ती में शुद्ध व नियमित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित होने की उम्मीद है, जिससे आमजन को लंबे समय से झेलनी पड़ रही परेशानी से राहत मिलेगी। अब तक जलापूर्ति मोटरों के सहारे होती थी, जिसके कारण लोगों–खासतौर पर महिलाओं–को रात-रात भर पानी का इंतजार करना पड़ता था। नई व्यवस्था लागू होने के बाद पानी सीधे टंकियों से घर-घर पहुंचेगा, जिससे समय, श्रम और असुविधा तीनों में कमी आएगी। यह बदलाव कस्बे की दैनिक दिनचर्या और जीवन गुणवत्ता पर सकारात्मक प्रभाव डालेगा। पीएचईडी विभाग के सहायक अभियंता जैकी शर्मा के अनुसार अमृत योजना 2.0 के अंतर्गत गोविन्दगढ़ के लिए चार बोरवेल और दो पानी की टंकियों का निर्माण प्रस्तावित है। इनमें से एक टंकी का निर्माण कार्य प्रारंभ हो चुका है, जबकि दूसरी टंकी सीकरी रोड पर स्थित पुरानी टंकी को हटाकर उसी स्थान पर बनाई जाएगी। योजना का मुख्य उद्देश्य गर्मियों में होने वाली पानी की किल्लत को स्थायी रूप से समाप्त करना और आपूर्ति व्यवस्था को भरोसेमंद बनाना है। योजना के तहत उन बस्तियों तक भी पहली बार पेयजल पहुंचाया जाएगा, जहां अब तक नियमित आपूर्ति नहीं हो पाती थी। इसके साथ ही कस्बे में नई पाइपलाइन डाली जा रही है। जिन कॉलोनियों में पाइपलाइन नहीं है या जहां पुरानी और जर्जर लाइनें हैं, वहां नई लाइनें बिछाकर जलापूर्ति को मजबूत किया जाएगा। इससे लीकेज और जलापव्यय पर भी प्रभावी नियंत्रण संभव होगा। कस्बे के भू-भाग में मौजूद ऊंच-नीच को ध्यान में रखते हुए दो अलग-अलग पानी की टंकियों का निर्माण किया जा रहा है, ताकि अंतिम छोर तक पर्याप्त दबाव के साथ पानी पहुंच सके। यह व्यवस्था न केवल समान वितरण सुनिश्चित करेगी, बल्कि जल की बर्बादी रोकने में भी सहायक होगी। प्रस्तावित टंकियों की क्षमता एक-एक लाख लीटर होगी, जिन पर लगभग 87 लाख रुपये की लागत आएगी। नई तहसील परिसर, चिरमरवाड़ा रोड, गंदीका रोड और नत्थू महर का बास क्षेत्र में बोरवेल किए जा रहे हैं, जबकि हरिजन मोहल्ला और सीकरी रोड पर पानी की टंकियों का निर्माण होगा। विधायक सुखवंत सिंह ने कहा कि कस्बे में पेयजल की समस्या गंभीर रही है, जिसे ध्यान में रखते हुए जोनवार टंकियों का निर्माण कर आपूर्ति को व्यवस्थित किया जा रहा है, ताकि आमजन को पानी के लिए परेशान न होना पड़े। वहीं, सहायक अभियंता जैकी शर्मा ने बताया कि कार्य प्रारंभ हो चुका है और योजना पूर्ण होने पर गोविन्दगढ़ के लोगों को इसका सीधा और स्थायी लाभ मिलेगा।

अलवर में अवैध हथियारों पर पुलिस का शिकंजा, देसी कट्टे के साथ दो युवक गिरफ्तार

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

अलवर शहर कोतवाली थाना पुलिस ने अवैध हथियारों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए देसी कट्टा लेकर घूम रहे दो युवकों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई रविवार तड़के नियमित गश्त के दौरान की गई, जिससे संभावित आपराधिक गतिविधि को समय रहते रोका जा सका। पुलिस के अनुसार सुबह करीब चार बजे गश्त के दौरान टोयटा शोरूम के सामने ब्रिज के पास दो युवक संदिग्ध अवस्था में खड़े दिखाई दिए। पुलिस वाहन को देखते ही दोनों युवक वहां से हटने का प्रयास करने लगे। उनकी हरकतों से संदेह होने पर पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए दोनों को रोक लिया और तलाशी ली। तलाशी के दौरान एक युवक के पास से 315 बोर का अवैध देसी कट्टा बरामद हुआ। इसके बाद दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, लेकिन वे हथियार के संबंध में कोई संतोषजनक जानकारी नहीं दे सके। जांच में आरोपियों की पहचान खिल्लू निवासी अकबरपुर और मोहनलाल निवासी बल्देवगढ़ के रूप में हुई। पुलिस ने दोनों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि हथियार कहां से लाया गया और इसका इस्तेमाल किसी वारदात में करने की योजना तो नहीं थी। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जाएगा। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि शहर में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस तरह की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

पटवार संघ अलवर की नई कार्यकारिणी गठित, जितेन्द्र छावल बने जिलाध्यक्ष

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

राजस्थान पटवार संघ की जिला शाखा अलवर की नई कार्यकारिणी के चुनाव शनिवार को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुए। चुनाव में पटवारी जितेन्द्र छावल को सर्वसम्मति से जिलाध्यक्ष चुना गया। उनके जिलाध्यक्ष बनने पर संघ के सदस्यों में उत्साह देखा गया और विश्वास जताया गया कि उनके नेतृत्व में संगठन और अधिक मजबूत होगा तथा कर्मचारियों से जुड़ी समस्याओं के समाधान को नई दिशा मिलेगी। चुनाव प्रक्रिया के तहत संदीप शर्मा को उपाध्यक्ष, नारायण चौधरी को वरिष्ठ उपाध्यक्ष और सन्तोष कसाना को महामंत्री चुना गया। वहीं अमित सिंह को संयुक्त मंत्री, दिनेश चौधरी को संगठन मंत्री तथा बसंत स्वामी को कोषाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। सभी पदाधिकारियों का चयन लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत किया गया। चुनाव अधिकारियों रामजीलाल चौधरी टोंक और राजेन्द्र गुर्जर जयपुर ने पूरी प्रक्रिया को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराया। मतदान और मतगणना के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था नहीं रही, जिससे चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से पूरे हुए। चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद संगठन के सदस्यों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का स्वागत किया और उन्हें बधाई दी। इस अवसर पर नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष जितेन्द्र छावल ने सभी साथियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वे सभी को साथ लेकर संगठन के हित में कार्य करेंगे और पटवारियों से जुड़ी समस्याओं को प्रशासन के समक्ष मजबूती के साथ उठाएंगे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि कर्मचारियों के अधिकारों और हितों की रक्षा उनकी प्राथमिकता रहेगी।

ट्रक के गलत ओवरटेक से ट्रैक्टर-ट्रॉली खाई में पलटी, दो महिलाओं सहित पांच घायल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

अलवर-बहरोड़ मार्ग पर रविवार सुबह जिंदोली सुरंग के समीप एक तेज रफ्तार ट्रक के गलत तरीके से ओवरटेक करने से बड़ा हादसा हो गया। ट्रक द्वारा अचानक कट मारने के कारण ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर सड़क किनारे करीब 15 फीट गहरी खाई में पलट गई। हादसे में दो महिलाओं सहित कुल पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार सभी घायल डीग जिले के कुम्हेर कस्बे के निवासी हैं। पीड़ित परिवार मेलों में झूला लगाने का व्यवसाय करता है और बहरोड़ में आयोजित एक मेले में शामिल होने जा रहा था। दुर्घटना के बाद स्थानीय लोग और राहगीर तुरंत मदद के लिए आगे आए और घायलों को बाहर निकालने में सहयोग किया। ततारपुर थाना एसएचओ महावीर सिंह ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। कुछ लोग ट्रॉली के नीचे दब गए थे, जिन्हें कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकालकर अलवर जिला अस्पताल के ट्रोमा सेंटर भिजवाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद परिजन घायलों को आगे के इलाज के लिए भरतपुर के निजी अस्पताल ले गए। हादसे में इंद्रजीत, उनकी पत्नी आशा, सुनील, उनकी पत्नी आशा और विक्की गंभीर रूप से घायल हो गए। ट्रैक्टर के पूरी तरह पलट जाने से हादसे की भयावहता का अंदाजा लगाया जा सकता है। गनीमत रही कि ट्रैक्टर में सवार एक साल के मासूम मन्नू को केवल चेहरे पर हल्की खरोंच आई और उसकी जान बच गई, जबकि दो अन्य बच्चे पूरी तरह सुरक्षित रहे। ट्रैक्टर सवार आकाश ने बताया कि वे शनिवार शाम कुम्हेर से अलवर पहुंचे थे और रात में एक परिचित के यहां रुके थे। रविवार सुबह करीब 9 बजे बहरोड़ के लिए रवाना हुए। जिंदोली सुरंग पार करने के बाद अगले मोड़ पर पीछे से आ रहे ट्रक ने तेज गति से ओवरटेक करते हुए खतरनाक तरीके से ट्रैक्टर के सामने कट मारा। टक्कर से बचने के प्रयास में ट्रैक्टर चालक का संतुलन बिगड़ गया और ट्रॉली खाई में जा गिरी। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

अरावली बचाने के लिए कांग्रेस ने निकाली रैली, सरकार पर लगाये आरोप

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कठूमर

अरावली को बचाने के लिए के रविवार को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कठूमर की ओर से मुख्य मार्ग से विधानसभा प्रभारी सुरेश पूंछरी की अध्यक्षता रैली निकाली गई। इस मौके पर वक्ताओं ने केंद्र और राज्य सरकार पर पर्यावरण की धरोहर अरावली को खनन कर भू-माफियाओं को पट्टे आवंटित करके अरावली पर्वतमाला को खत्म करने और मनरेगा को एक विधेयक लाकर महात्मा गांधी का नाम हटाने का षड्यंत्र रचने का आरोप लगाया है। इस दौरान महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। ब्लॉक अध्यक्ष राजवीर चौधरी,प्रदेश कांग्रेस सचिव नीमा चौधरी ने बताया कि अरावली बचाओ के नारे लगाते हुए हाथों में झंडा और बैनर लिए कार्यकर्ताओ के साथ लक्ष्मणगढ़ बस स्टैंड से अहिंसा सर्किल तक रैली निकाली?। इस मौके पर कठूमर ब्लॉक अध्यक्ष राजवीर चौधरी, खेड़ली ब्लॉक अध्यक्ष हरिकिशन मीणा, प्रदेश सचिव (ओबीसी) नीमा चौधरी,शहर अध्यक्ष अजय जाटव,सोमेश्वर चौधरी जयप्रकाश दीक्षित प्रकाश सिंह सचिन मीना तेजसिंह जाटव सुरेंद्र, विजेंद्र मीणा विष्णु यादव कुलदीप गुर्जर जुम्मा खां हनीफ खां हरवीर यादव महेश हॉडा,संतोष ठेकेदार कैलाश शर्मा कुलदीप चौधरी धनीराम तुसारी राजेश जाटव, विक्रम हरभान चौधरी रामवीर राजपूत जितेंद्र चौधरी रामावतार आदि कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे

रामगढ़ पुलिस की 'साइबर संग्राम' में बड़ी कार्रवाई, एक आरोपी गिरफ्तार, दो बाल अपचारी निरुद्ध

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा रामगढ़

रामगढ़ पुलिस ने 'साइबर संग्राम' अभियान के तहत साइबर ठगी के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जबकि दो बाल अपचारियों को निरुद्ध किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से ठगी में इस्तेमाल किए गए पाँच एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद किए हैं, जिनमें साइबर ठगी से जुड़े अहम डिजिटल साक्ष्य मिले हैं। थाना अधिकारी विजेन्द्र सिंह ने बताया कि सूचना और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर पुलिस टीम ने दबिश दी। इस दौरान अजय पुत्र लक्ष्मण सिंह, निवासी चंडीगढ़ का बास, चौमा (थाना रामगढ़) को गिरफ्तार किया गया। उसके साथ साइबर ठगी में शामिल दो बाल अपचारियों को भी निरुद्ध किया गया है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपी लोगों को 'गलती से आपके खाते में पैसे डाल दिए गए' जैसे फर्जी मैसेज या कॉल कर भ्रमित करते थे और उन्हें फर्जी खातों में रकम ट्रांसफर करवाते थे। बरामद मोबाइल की जांच में फर्जी संदेश, संदिग्ध बैंकिंग लेनदेन और कॉल डिटेल सहित कई तकनीकी सबूत मिले हैं। पुलिस का मानना है कि आरोपी संगठित तरीके से ठगी कर रहे थे और उनके तार किसी बड़े साइबर गिरोह से जुड़े हो सकते हैं। आरोपी से गहन पूछताछ जारी है। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी अनजान कॉल, मैसेज या लिंक पर भरोसा न करें और ऐसी घटनाओं की सूचना तुरंत पुलिस या साइबर हेल्पलाइन पर दें।

सर्दी में फसलों की सुरक्षा के लिए मिनी टनल का सहारा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा सोडावास

क्षेत्र में दिसंबर के अंतिम दिनों में सर्दी का असर ग्रामीण अंचल में साफ नजर आने लगा है। रात्रि तापमान में लगातार गिरावट से किसानों की चिंता बढ़ गई है। कड़ाके की ठंड और पाला पड़ने की आशंका को देखते हुए किसान अब फसलों की सुरक्षा के लिए मिनी टनल तकनीक अपना रहे हैं, जिससे सर्दी के मौसम में होने वाले नुकसान से बचाव किया जा सके। किसान मिंटू चौधरी मुंदपुर ने बताया कि मिनी टनल तकनीक से फसल पूरी रात शीत लहर और पाले से सुरक्षित रहती है। इस पद्धति में फसल की कतारों के ऊपर हल्के ढांचे पर पारदर्शी पन्नी ढक दी जाती है, जिससे अंदर का तापमान नियंत्रित रहता है और ठंड का सीधा असर पौधों पर नहीं पड़ता। सुबह धूप निकलते ही पन्नी हटा दी जाती है, ताकि फसलों को पर्याप्त धूप और हवा मिल सके। क्षेत्र में सब्जी उत्पादक किसान टमाटर, मिर्च, बैंगन और अन्य फसलों के लिए इस तकनीक का अधिक उपयोग कर रहे हैं। किसानों का कहना है कि पाला पड़ने से पौधे झुलस जाते हैं और उत्पादन घट जाता है, जबकि मिनी टनल अपनाने से फसलों की बढ़वार बेहतर होती है और पैदावार सुरक्षित रहती है। कम लागत और आसान व्यवस्था के कारण यह तकनीक किसानों के लिए सर्दी में फसलों की सुरक्षा का प्रभावी उपाय बन रही है।

अरावली विहार थाना क्षेत्र में कार-ई-रिक्शा की टक्कर, सड़क पर पलटी कार, पुलिस जांच जारी

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

शहर के अरावली विहार थाना क्षेत्र में रविवार को एलआईसी ऑफिस के पास कार और ई-रिक्शा के बीच जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि कार सड़क पर पलट गई, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही अरावली विहार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसा अचानक हुआ, जिससे आसपास मौजूद लोग घबरा गए। टक्कर के बाद कार पलटी हुई हालत में सड़क पर पड़ी रही, जबकि ई-रिक्शा भी क्षतिग्रस्त हो गया। राहत की बात यह रही कि प्रारंभिक जानकारी में किसी के गंभीर रूप से घायल होने की पुष्टि नहीं हुई है। हादसे के चलते कुछ समय के लिए सड़क पर यातायात प्रभावित रहा, जिसे पुलिस ने मौके पर पहुंचकर नियंत्रित कराया। मौके पर मौजूद अरावली विहार थाना के एएसआई ओमप्रकाश ने बताया कि पुलिस को एलआईसी ऑफिस के पास कार और ई-रिक्शा की भिड़ंत की सूचना मिली थी। सूचना पर टीम तुरंत मौके पर पहुंची, जहां कार पलटी हुई अवस्था में मिली। फिलहाल यह पता लगाया जा रहा है कि कार किसकी है और दुर्घटना किन परिस्थितियों में हुई। पुलिस द्वारा दोनों वाहनों की स्थिति, सड़क की दशा और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की जा रही है, ताकि हादसे के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वाहन चलाते समय यातायात नियमों की पालना करें और सावधानी बरतें। मामले में जांच जारी है।

आरजीएचएस का दुरूपयोग करने वालों पर होगी सख्त कार्यवाही

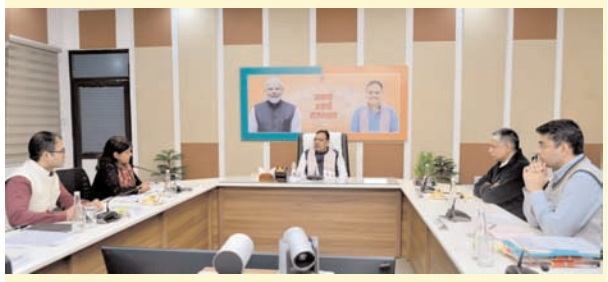

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा खैरथल-तिजारा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार आमजन को बेहतर और त्वरित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवा रही है तथा विभागीय योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन भी सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अस्पतालों में दवा एवं जांचों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। साथ ही, उन्होंने 108 एंबुलेंस, 104 जननी एक्सप्रेस तथा ममता एक्सप्रेस सेवाओं के सुगम्य संचालन के संबंध में भी दिशा-निर्देश दिए। शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने विभाग की योजनाओं में अनियमितता एवं दुरूपयोग के विरूद्ध कठोरतम दण्डात्मक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने राजकीय विद्यालयों में चलाए जा रहे नेत्र जांच शिविरों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि संभागवार इन शिविरों का आयोजन किया जाए तथा जरूरतमंद स्कूली छात्र-छात्राओं को चश्मे उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आमजन को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। स्वास्थ्य से जुड़ी सेवाओं में लापरवाही बरतने वाले कार्मिकों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जाए। बैठक में मुख्यमंत्री कार्यालय सहित चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

तिजारा में यादव समाज का सम्मान समारोह आयोजित

विधि व सेवा क्षेत्र में चयनित प्रतिभाओं का किया गया अभिनंदन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा तिजारा

यादव समाज युवा समिति तिजारा की ओर से रविवार को हाईवे बाईपास स्थित यादव धर्मशाला में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बार एसोसिएशन तिजारा के अध्यक्ष पद पर निर्वाचित आशीष यादव का समाज की ओर से भव्य अभिनंदन किया गया। वहीं, राजस्थान पुलिस में चयनित सचिन यादव एवं अंकित यादव को भी सम्मानित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि रामपत यादव गुरुजी तथा अध्यक्षता लाला राम यादव ने की। यादव समाज तिजारा की युवा विंग द्वारा अतिथियों एवं चयनित प्रतिभाओं को माला पहनाकर, साफा बांधकर एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर युवा विंग अध्यक्ष हितेश यादव सहित अजय यादव, अमित यादव, सुमित यादव, दीपक यादव, किशन लाल यादव, नन्द लाल यादव, गोपेन्द्र यादव, महेंद्र यादव, रामफल यादव, पुष्पेन्द्र यादव, सतीश फौजी एवं लाल सिंह यादव सहित अनेक गणमान्य समाजसेवी उपस्थित रहे। वक्ताओं ने कहा कि विधि और सेवा क्षेत्र में समाज के युवाओं की उपलब्धियां प्रेरणास्पद हैं। ऐसे आयोजनों से युवाओं का मनोबल बढ़ता है और समाज में सकारात्मक संदेश जाता है। कार्यक्रम का समापन सामूहिक आभार ज्ञापन के साथ हुआ।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के विरोध में भिवाड़ी में गरजा आक्रोश

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल प्रखंड भिवाड़ी के संयुक्त तत्वावधान में भिवाड़ी के मनसा चौक पर बांग्लादेश में हिंदुओं के कथित नरसंहार व अत्याचारों के विरोध में शुक्रवार को भव्य विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया। यह प्रदर्शन प्रातः 11 बजे से दोपहर 12 बजे तक शांतिपूर्ण रूप से संपन्न हुआ। प्रदर्शन में कार्यकर्ताओं ने हाथों में तख्तियां लेकर बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं की सुरक्षा की मांग की और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस मुद्दे को गंभीरता से उठाने की अपील की। वक्ताओं ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हो रहे हमले मानवाधिकारों का खुला उल्लंघन हैं, जिन्हें किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता। इस अवसर पर प्रखंड अध्यक्ष सोमदत्त शर्मा ने कहा कि विश्व समुदाय को निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए। उपाध्यक्ष महेंद्र शर्मा, सह मंत्री योगेंद्र मोहन वासने व विनोद गुप्ता ने भी अपने विचार रखते हुए केंद्र सरकार से कूटनीतिक स्तर पर ठोस पहल करने की मांग की। प्रदर्शन में कोषाध्यक्ष पवन गर्ग, जिला उपाध्यक्ष इन्दु त्यागी,मातृशक्ति सहसंयोजिकाएं साधना त्यागी व संगीता करमाकर सहित निर्मल दीक्षित, मनोज राय, विनोद ठेकेदार, उमेश सेंगर समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने एकजुट होकर हिंदू समाज की सुरक्षा व सम्मान की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष का संकल्प लिया।

3131 फुट लंबी विशाल निशान यात्रा से गूंजा श्याम नाम

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भिवाड़ी

समस्त श्याम परिवार भिवाड़ी एवं गुडफेथ प्रॉपर्टीज के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को यूआईटी सेक्टर-5 भिवाड़ी से तावडू स्थित श्याम मंदिर तक 3131 फुट लंबी भव्य निशान यात्रा श्रद्धा और उल्लास के साथ निकाली गई। यात्रा का शुभारंभ प्रातः 8 बजे विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुआ, जहां आचार्य नरेश शास्त्री ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच निशान पूजन कर यात्रा को रवाना किया। यात्रा के आयोजक इंद्रजीत सिंह मोनू व जगपाल सिंह दायमा ने बताया कि इस धार्मिक आयोजन में भिवाड़ी के साथ-साथ धारूहेड़ा, टपूकड़ा एवं आसपास के ग्रामीण अंचलों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। सैकड़ों श्याम भक्त हाथों में निशान (ध्वज) लिए भजन-कीर्तन, ढोल-नगाड़ों और 'जय श्री श्याम' के गगनभेदी जयकारों के साथ पैदल आगे बढ़ते नजर आए। निशान यात्रा भिवाड़ी से प्रारंभ होकर खोरी कला, निजामपुर सहित विभिन्न मार्गों से होती हुई तावडू स्थित श्याम मंदिर पहुंची। मंदिर परिसर में श्री श्याम सरकार मित्र मंडल, स्थानीय नागरिकों एवं श्याम प्रेमियों द्वारा यात्रा का पुष्पवर्षा के साथ भव्य स्वागत किया गया। समापन अवसर पर वातावरण भक्तिरस में सराबोर हो गया। यात्रा के समापन के पश्चात दोपहर 2 बजे तावडू के स्प्रिंग डेजी स्कूल परिसर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सभी श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद की व्यवस्था की गई। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व गत अगस्त माह में भिवाड़ी से खाटू श्याम तक 2121 फुट लंबी ध्वजा यात्रा भी निकाली गई थी, जिसमें भी श्रद्धालुओं की भारी सहभागिता रही थी।

साहित्य गोष्ठी व पौष बड़ा महोत्सव में बिखरे नौरस के रंग

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बहरोड़

अखिल भारतीय साहित्य परिषद इकाई बहरोड़ द्वारा रविवार को कंचन वाटिका में साहित्य गोष्ठी एवं पौष बड़ा महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में साहित्य, संस्कृति और रचनात्मक अभिव्यक्ति के विविध रंग देखने को मिले। गोष्ठी की अध्यक्षता प्रांत अध्यक्ष ओमप्रकाश भार्गव ने की। मुख्य अतिथि के रूप में कल्याण बख्श कल्याण तथा विशिष्ट अतिथि कोटपूतली जिला अध्यक्ष धूड़ा राम पदम, प्रांत उपाध्यक्ष उमेश चंद्र 'चंदर' और उमेश चंद शर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत इकाई अध्यक्ष कमल नयन शर्मा द्वारा सरस्वती वंदना से की गई। इसके बाद जिला उपाध्यक्ष अशोक मिश्र 'कोविद' ने परिषद गीत प्रस्तुत कर वातावरण को साहित्यिक रंगों से भर दिया। इकाई महामंत्री डॉ. सविता गोस्वामी ने बताया कि साहित्य गोष्ठी में सप्तऋषि इकाई सहित विभिन्न क्षेत्रों से आए साहित्यकारों और कवियों ने स्वतंत्र विषयों पर अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं। गोष्ठी में ग़ज़लों, सामाजिक सरोकारों और देश के ज्वलंत मुद्दों पर आधारित कविताओं की प्रभावशाली प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। नीमराणा, पावटा, कोटपूतली और बहरोड़ इकाइयों से आए कवियों ने काव्य पाठ कर साहित्य प्रेमियों को भाव-विभोर किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में साहित्य अनुरागी मौजूद रहे। समापन अवसर पर पौष बड़ा महोत्सव के तहत सभी ने प्रसादी ग्रहण की। मंच संचालन अक्षरा गोयल ने सधे हुए अंदाज में किया। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ, जहां साहित्य और संस्कृति का सुंदर संगम देखने को मिला।

अलवर सांसद खेल उत्सवः तिजारा ब्लॉक क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य समापन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा तिजारा

तिजारा क्षेत्र के ईशरोदा खेल मैदान में आयोजित अलवर सांसद खेल उत्सव के अंतर्गत क्रिकेट टूर्नामेंट (तिजारा ब्लॉक) का समापन पूर्व विधायक मामन सिंह यादव के मुख्य आतिथ्य की अध्यक्षता में हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि मामन सिंह यादव ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि भूपेंद्र यादव के मार्गदर्शन में आयोजित यह खेल उत्सव क्षेत्रीय प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का सशक्त मंच प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से युवाओं में खेल भावना के साथ अनुशासन और टीम वर्क का विकास होता है। अध्यक्ष ने जानकारी दी कि अलवर सांसद खेल उत्सव के इस क्रिकेट टूर्नामेंट में तिजारा विधानसभा क्षेत्र से कुल 33 टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में रामबास झोपड़ी की टीम ने प्रथम तथा भटकोल की टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं बालिका वर्ग में गैलपुर की टीम विजेता रही, जबकि टपूकड़ा की टीम उपविजेता बनी। विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला महामंत्री अनुप यादव एवं रमेश रावत उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन अवसर पर धौलाराम यादव, देशपाल यादव एवं सरपंच रतीराम यादव ने सभी खिलाड़ियों, आयोजकों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। समारोह में गौरव कुमार (सांसद कार्यालय), युवराज सिंह, चंद्रपाल यादव, टींकू एमपीएस, ओमप्रकाश यादव, लीलू, आदित्य यादव, राहुल कुमार, नीरज यादव, लक्ष्य यादव, करण यादव, सुधीर यादव, विपिनचंद्र पाल, प्रदीप ग्रोवर, पवन यादव, लालचंद, जयप्रकाश, संदीप चौधरी, शारदा, पवित्रा यादव सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

सेवा कार्यों के साथ मनाया पूर्व विधायक संदीप यादव का जन्मदिन

स्वास्थ्य केंद्र परिसर में मरीजों को फल वितरित कर दिया मानव सेवा का संदेश

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा तिजारा

क्षेत्र के पूर्व विधायक संदीप यादव का 43वां जन्मदिन रविवार को सेवा कार्यों के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में मरीजों को फल वितरित किए गए तथा केक काटकर जन्मदिवस मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान पूर्व विधायक संदीप यादव के दीर्घायु एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की गई। आयोजकों ने बताया कि जन्मदिन को सेवा दिवस के रूप में मनाने का उद्देश्य समाज में मानवता, सहयोग और सेवा भावना को बढ़ावा देना है। फल वितरण के माध्यम से मरीजों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का संदेश भी दिया गया। इस मौके पर अजय कसाना (तिजारा ब्लॉक अध्यक्ष, गुर्जर संघर्ष समिति), दिनेश मेहरा (जिला महासचिव, एनएसयूआई खैरथल-तिजारा) सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता एवं युवा मौजूद रहे। उपस्थित कार्यकर्ताओं ने कहा कि जनसेवा ही सच्चा उत्सव है और ऐसे कार्य समाज को सकारात्मक दिशा देते हैं। कार्यक्रम में स्थानीय नागरिकों एवं समर्थकों की भी उल्लेखनीय भागीदारी रही।

नांगल चौधरी के पास सड़क हादसे में बहरोड़ के युवक की मौत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बहरोड़

हरियाणा के नांगल चौधरी क्षेत्र में शनिवार को हुए सड़क हादसे में बहरोड़ निवासी एक व्यक्ति की मौत हो गई। अज्ञात वाहन की टक्कर से स्कूटी सवार गंभीर रूप से घायल हो गया था। घायल को पहले अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान बहरोड़ निवासी 45 वर्षीय राकेश कुमार गोठवाल पुत्र कैलाश गोठवाल के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार राकेश कुमार शनिवार को दवा लेने के लिए हरियाणा के नांगल चौधरी गए थे। इसी दौरान एक अज्ञात वाहन ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी, जिससे वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायल राकेश कुमार को नारनौल के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उच्च चिकित्सा केंद्र के लिए रेफर कर दिया। इसके बाद एंबुलेंस के माध्यम से उन्हें बहरोड़ के जिला अस्पताल लाया गया, जहां पहुंचने पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही हरियाणा पुलिस बहरोड़ पहुंची। पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए शव का पोस्टमार्टम कराया और इसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी है और हादसे के कारणों की जांच जारी है। मृतक राकेश कुमार विवाहित थे और उनके दो छोटे बच्चे हैं।

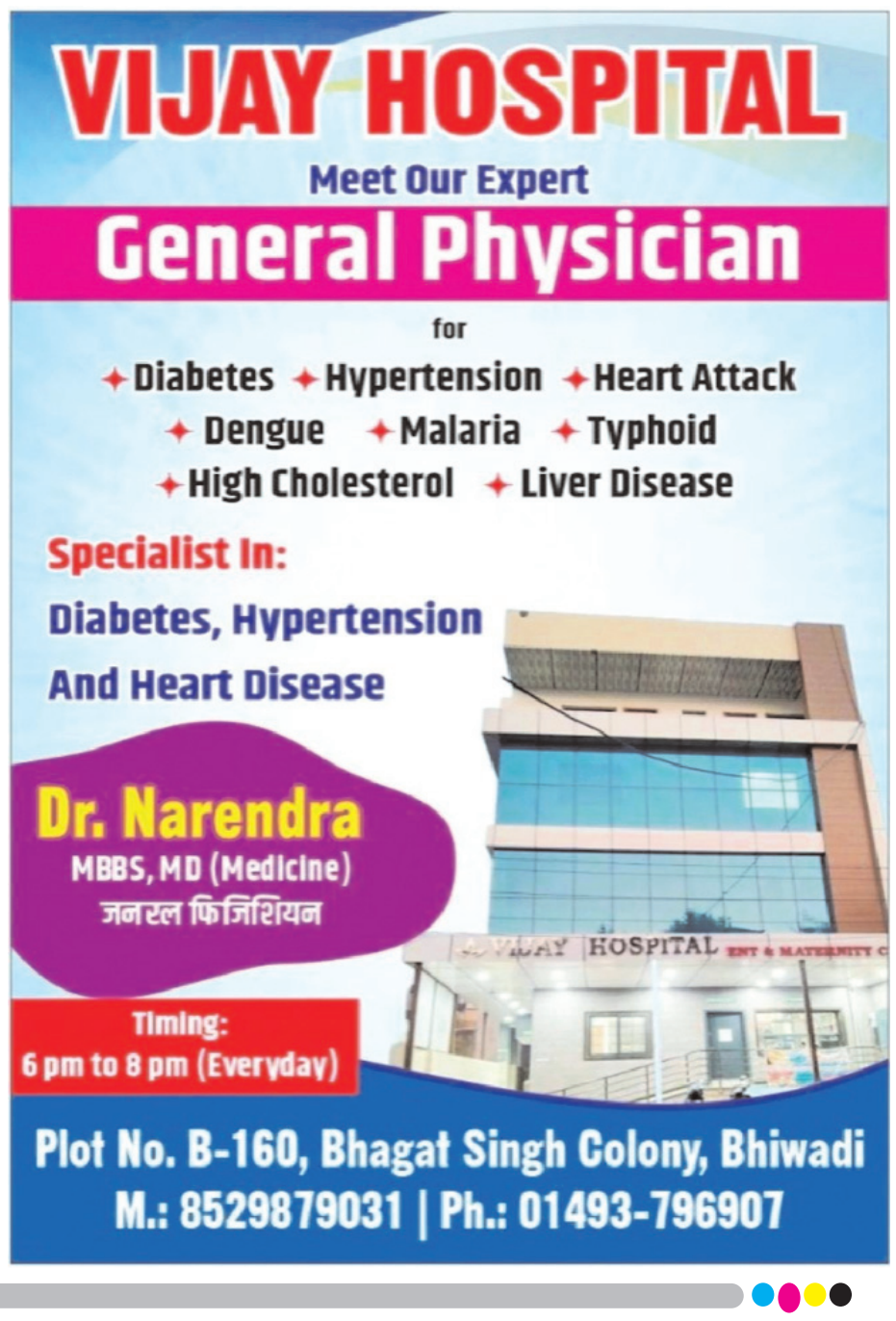

अहंकार की राजनीति और लचर नेतृत्व ने इंडिया गठबंधन को 2025 में बिखेर कर रख दिया

नीरज कुमार दुबे

महाराष्ट्र में निकाय चुनावों के दौरान कांग्रेस ने एनसीपी (शरद पवार गुट) और शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) से अलग होकर अकेले चुनाव लड़ने का निर्णय लिया। यह फैसला उस समय और भी चौंकाने वाला था, जब भाजपा के खिलाफ संयुक्त लड़ाई की बात बार-बार दोहराई जा रही थी।

साल 2025 भारतीय राजनीति में विपक्षी गठबंधन इंडिया (I.N.D.I.A.) के लिए आंतरिक टकराव, रणनीतिक भ्रम और नेतृत्व संकट का वर्ष बनकर उभरा। 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद जिस गठबंधन से यह अपेक्षा की जा रही थी कि वह एक सशक्त, वैकल्पिक राजनीतिक धारा के रूप में उभरेगा, वही 2025 में अपनी ही कमजोरियों से जूझता नजर आया। यह वर्ष विपक्ष के लिए न तो संगठनात्मक मजबूती लेकर आया, न ही वैचारिक स्पष्टता।

सबसे बड़ा और प्रतीकात्मक तथ्य यह रहा कि पूरे 2025 में इंडिया गठबंधन की एक भी औपचारिक बैठक नहीं हुई। किसी भी राजनीतिक गठबंधन के लिए बैठकें केवल औपचारिकता नहीं होतीं, बल्कि संवाद, समन्वय और साझा रणनीति का आधार होती हैं। बैठकों का न होना यह संकेत देता है कि गठबंधन नाम मात्र का रह गया है, जबकि जमीनी स्तर पर दल अपनी-अपनी राह चलने लगे हैं।

दिल्ली विधानसभा चुनावों में यह बिखराव खुलकर सामने आया, जब आम आदमी पार्टी और कांग्रेस ने गठबंधन तोड़कर अलग-अलग चुनाव लड़ने का फैसला किया। 2024 में लोकसभा चुनावों में सीमित तालमेल के बाद यह उम्मीद थी कि दिल्ली में विपक्ष एकजुट रहेगा, लेकिन आपसी अविश्वास और राजनीतिक अहंकार ने इस संभावना को खत्म कर दिया। नतीजा यह हुआ कि विपक्षी वोटों का विभाजन हुआ और इसका लाभ सीधे तौर पर भाजपा को मिला।

इसी तरह महाराष्ट्र में निकाय चुनावों के दौरान कांग्रेस ने एनसीपी (शरद पवार गुट) और शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) से अलग होकर अकेले चुनाव लड़ने का निर्णय लिया। यह फैसला उस समय और भी चौंकाने वाला था, जब भाजपा के खिलाफ संयुक्त लड़ाई की बात बार-बार दोहराई जा रही थी। कांग्रेस का यह रुख उसके सहयोगियों के लिए संकेत था कि गठबंधन केवल सुविधा का मंच है, प्रतिबद्धता का नहीं।

बिहार में तस्वीर थोड़ी अलग दिखी। यहां विपक्षी महागठबंधन ने मिलकर चुनाव लड़ा, लेकिन आपसी फूट,

नेतृत्व की खींचतान और समन्वय की कमी ने इसे अब तक की सबसे बड़ी हार दिला दी। टिकट वितरण से लेकर प्रचार की रणनीति तक, हर स्तर पर असंतोष और अविश्वास साफ नजर आया। यह हार इसलिए भी ज्यादा चर्चा में रही क्योंकि एकजुटता के बावजूद गठबंधन जनता के बीच एक स्पष्ट, विश्वसनीय विकल्प के रूप में खुद को पेश नहीं कर सका।

2025 में इंडिया गठबंधन के भीतर नेतृत्व को लेकर असमंजस लगातार गहराता गया। समय-समय पर यह मांग उठती रही कि गठबंधन का नेतृत्व केवल कांग्रेस के हाथों में न रहे। तृणमूल कांग्रेस ने इस मांग की खुलकर अगुवाई की, यह कहते हुए कि क्षेत्रीय दलों की राजनीतिक ताकत और जनाधार को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

उधर, कांग्रेस की यह समस्या रही कि वह गठबंधन का नेतृत्व तो करना चाहती है, लेकिन उसके अनुरूप लचीलापन और सामूहिकता दिखाने में अक्सर विफल रहती है। यही कारण है कि उसके कई सहयोगी दल उसके रुख से इत्तेफाक नहीं रख पाए।

साथ ही इंडिया गठबंधन के भीतर मतभेद केवल चुनावी रणनीति तक सीमित नहीं रहे, बल्कि मुद्दों पर भी एकरूपता का अभाव साफ दिखा। जम्मू-कश्मीर की नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला का बयान इस संदर्भ में बेहद महत्वपूर्ण रहा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि एसआईआर के विरोध में कांग्रेस के उतरने का मतलब यह नहीं है कि वह हमारी भी लड़ाई हो। यह बयान सिर्फ एक मुद्दे पर असहमति नहीं था, बल्कि यह दशार्ता था कि गठबंधन के घटक दल अपनी-अपनी क्षेत्रीय प्राथमिकताओं और राजनीतिक मजबूरियों के अनुसार फैसले ले रहे हैं। ऐसे ही विचार समय-समय पर अन्य सहयोगी दलों की ओर से भी सामने आते रहे, जिससे गठबंधन की साझा वैचारिक जमीन और भी कमजोर होती चली गई।

इसी कड़ी में यदि राहुल गांधी की भूमिका का विश्लेषण किया जाए तो 2025 उनके लिए भी अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर पाने का वर्ष साबित हुआ। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के रूप में उनसे यह उम्मीद की जा रही थी कि वह महंगाई, बेरोजगारी, किसानों और मध्यम वर्ग से जुड़े जनहित के मुद्दों पर सरकार को घेरेंगे, लेकिन वह अधिकतर समय चुनाव आयोग पर निशाना साधने और संवैधानिक संस्थानों को कठघरे में खड़ा करने में व्यस्त नजर आए। इससे न केवल उनकी भूमिका पर सवाल खड़े हुए, बल्कि विपक्ष की विश्वसनीयता को भी नुकसान पहुंचा। कांग्रेस की अंदरूनी खींचतान, खासकर कर्नाटक में नेतृत्व और सत्ता संतुलन से जुड़े विवाद, का समाधान निकालने में भी वह विफल रहे। इसके अलावा पूरे वर्ष दिए गए उनके कई बयानों ने कांग्रेस ही नहीं, बल्कि उसके सहयोगी दलों की भी मुश्किलें बढ़ाईं, जिससे इंडिया गठबंधन के भीतर असहजता और अविश्वास और गहराता चला गया। देखा जाये तो साल 2025 विपक्षी इंडिया गठबंधन के लिए एक बड़ा अवसर हो सकता था, लेकिन यह वर्ष आपसी अविश्वास, नेतृत्व संघर्ष और रणनीतिक भ्रम की भेंट चढ़ गया।

बहरहाल, इंडिया गठबंधन अगर भविष्य में प्रासंगिक बने रहना चाहता है, तो उसे नाम से आगे बढ़कर वास्तविक राजनीतिक एकजुटता दिखानी होगी। साझा मंच, नियमित संवाद, स्पष्ट नेतृत्व संरचना और क्षेत्रीय दलों की आकांक्षाओं का सम्मान किये बिना यह गठबंधन केवल कागजी रह जाएगा। 2025 ने विपक्ष को यह सख्त संदेश दे दिया है कि बिखराव की राजनीति सत्ता का विकल्प नहीं बन सकती।

संपादकीय

परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में बड़े परिवर्तन का रास्ता साफ

संचालक कंपनी पर अधिकतम जुमार्ना 3000 करोड़ रुपये का ही लग सकेगा। नुकसान उससे ज्यादा हुआ, तो जुमार्ना सरकार भरेगी। लेकिन जब स्वामित्व निजी कंपनी का होगा, तो पीड़ितों को मुआवजे का बोझ करदाताओं पर क्यों डाला जाना चाहिए? परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को निजी निवेश के लिए खोलने का पेश बिल आज के चलन के मुताबिक ही है। मगर शांति (सस्टेनेबल हार्नेसिंग एंड एडवांसमेंट ऑफ न्यूक्लियर एनर्जी फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया) विधेयक में हादसे की स्थिति में विदेशी सप्लायरों को जिम्मेदारी मुक्त करने का शामिल प्रावधान समस्याग्रस्त है। यह धारणा

पहले से मौजूद है कि 2010 के सिविल लायबिलिटी ऑफ न्यूक्लियर डैमेज ऐक्ट के तहत लागू इस प्रावधान को डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन के दबाव में बदला जा रहा है। ऐसी खबरें रही हैं कि ट्रंप प्रशासन ने भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए जो शर्तें लगाईं, उसमें यह भी शामिल था।

नए विधेयक में प्रावधान है कि परमाणु संयंत्र की संचालक कंपनी रिएक्टर और अन्य उपकरणों की सप्लायर कंपनी से अपने करार में दुर्घटना का दायित्व साझा करने का प्रावधान कर सकती है। लेकिन करार में यह शर्त शामिल नहीं रही, तो फिर सप्लायर की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। फिर यह प्रावधान भी समस्याग्रस्त है कि हादसे की सूरत में संचालक कंपनी पर अधिकतम जुमार्ना 3000 करोड़ रुपये का ही लगाया जा सकेगा। नुकसान उससे ज्यादा हुआ, तो जुमार्ना सरकार भरेगी। आखिर जब संचालन निजी कंपनी के हाथ में है और उसने सप्लायर से स्वतंत्र रूप से समझौता किया हुआ है, तो पीड़ितों को मुआवजा देने का बोझ भारतीय करदाताओं पर क्यों डाला जाना चाहिए?

अधिकारियों ने दावा किया है कि शांति विधेयक के पारित होने पर परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी निवेश आएगा। इससे भारत 2047 तक एक लाख मेगावाट परमाणु बिजली पैदा करने का लक्ष्य हासिल कर सकेगा। अभी 8, 900 मेगावाट परमाणु बिजली ही भारत में बनती है। बहरहाल, निवेश और निर्माण संबंधी फैसले बाजार की परिस्थितियों के अनुरूप होते हैं। एक बड़ा सवाल कीमत का है। परमाणु संयंत्र लगाना और उसका रखरखाव करना खासा महंगा पड़ता है। ऐसे में निवेश के लिए कितनी प्राइवेट कंपनियां आगे आएंगी और पैदा बिजली को वो उपभोक्ताओं को किस दाम पर उपलब्ध कराएंगी, ये सब भविष्य में जाकर ही जाहिर होगा। फिलहाल, यह सच है कि पेश बिल से भारत के परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में बड़े परिवर्तन का रास्ता साफ हुआ है।

चिंतन-मनन

बद्ध होने का परिणाम

प्रकृति द्वारा बद्ध किए गए जीव कई प्रकार के होते है। कोई सुखी है और कोई अत्यंत कर्मठ है, तो दूसरा असहाय है। इस प्रकार के मनोभाव ही प्रकृति में जीव की बद्धावस्था के कारणस्वरूप हैं। भगवद्गीता के इस अध्याय में इसका वर्णन हुआ है कि वे किस प्रकार भिन्न-भिन्न प्रकार से बद्ध है। सर्वप्रथम सतोगुण पर विचार किया गया है। इस जगत में सतोगुण विकसित करने का लाभ यह होता है कि मनुष्य अन्य बद्धजीवों की तुलना में अधिक चतुर हो जाता है। सतोगुणी पुरुष को भौतिक कष्ट उतना पीड़ित नहीं करते और उसमें भौतिक ज्ञान की प्रगति करने की सूझ होती है। इसका प्रतिनिधि ब्रा ाण है, जो सतोगुणी माना जाता है। सुख का यह भाव इस विचार के कारण है कि सतोगुण में पापकर्मो से प्रायः मुक्त रहा जाता है। वास्तव में वैदिक साहित्य में यह कहा गया है कि सतोगुण का अर्थ ही है अधिक ज्ञान तथा सुख का अधिकाधिक अनुभव। सारी कठिनाई यह है कि जब मनुष्य सतोगुण में स्थित होता है, तो उसे ऐसा अनुभव होता है कि वह ज्ञान में आगे है और अन्यों की अपेक्षा श्रेष्ठ है। इस प्रकार वह बद्ध हो जाता है। इसके उदाहरण वैज्ञानिक तथा दार्शनिक हैं।

इनमें से प्रत्येक को अपने ज्ञान का गर्व रहता है और चूंकि वे अपने रहन-सहन को सुधार लेते है, अतएव उन्हें भौतिक सुख की अनुभूति होती है। बद्ध जीवन में अधिक सुख का यह भाव उन्हें भौतिक प्रकृति के गुणों से बांध देता है। अतएव वे सतोगुण में रहकर कर्म करने के प्रति आकृष्ट होते हैं। और जब तक इस प्रकार कर्म करते रहने का आकषर्ण बना रहता है, तब तक उन्हें किसी न किसी प्रकार का शरीर धारण करना होता है। इस प्रकार उनकी मुक्ति की कोई सम्भावना नहीं रह जाती। वे बारम्बार दार्शनिक, वैज्ञानिक या कवि बनते रहते हैं और बारम्बार जन्म-मृत्यु के उन्हीं दोषों में बंधते रहते हैं। लेकिन माया-मोह के कारण वे सोचते हैं कि इस प्रकार का जीवन आनंदप्रद है।

उपलब्धियो और खामियों के बीच जूझता रहा 2025!

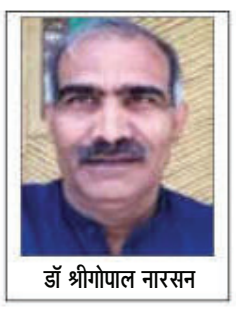

डॉ श्रीगोपाल नारसन

बीत रहा सन 2025 का साल भारत के लिए रक्षा, प्रौद्योगिकी, खेल और अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में उपलब्धियों भरा रहा।इस बीत रहे वर्ष में स्वदेशी स्टील्थ फ्रिगेट लॉन्च हुए, अग्नि प्राइम का सफल परीक्षण हुआ, महिला क्रिकेट ने वर्ल्ड कप जीता, और विकसित भारत बिल्डथॉन जैसी पहल हुईं,साथ ही एआई में उभरती शक्ति के रूप में पहचान मिली, जबकि इलेक्ट्रॉनिक्स और ईवी जैसे सेक्टर में वृद्धि देखी गई, लेकिन यह साल कुछ राजनीतिक उथल-पुथल और भारत-पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण ऑपरेशन सिंदूर के संघर्ष का साक्षी भीरहा।सन 2025 में कई क्षेत्रों में निराशाएँ देखने को मिलीं, खासकर भारतीय फुटबॉल में प्रशासनिक संकट और खराब प्रदर्शन, भारतीय एयरलाइंस सेक्टर में अनि तता, युवाओं के बीच नौकरी को लेकर चिंताएँ, और डिजिटल युग में निजता व सुरक्षा के मुद्दे, तथा कुछ चर्चित किताबों का उम्मीदों के मुताबिक न आना प्रमुख कहे जा सकते है।2025 भी हर साल की तरह राजनीतिक घटनाओं से भरा रहा, और देश भर में विवाद और बहस हुई. सबसे बड़ा वाकया तो इस लिहाज से ऑपरेशन सिंदूर रहा, जब पूरा देश एकजुट नजर आया. क्या सत्ता पक्ष और क्या विपक्ष, अगर सीजफायर पर आरोप-प्रत्यारोप को दरकिनार कर दें तो जिस तरह सभी दलों के सांसदों की अलग-अलग टीम बनाकर दुनिया में भारत का पक्ष समझाने के लिए भेजी गई, उसने अनूठी मिसाल पेश की।जगदीप धनखड़ का उपराष्ट्रपति पद से अचानक इस्तीफा और वोट चोरी के आरोपों के बीच चुनाव आयोग की तरफ से रक्फ़ायानी विशेष गहन पुनरीक्षण कराए जाने को लेकर भी खासा विवाद हुआ. कांग्रेस नेता राहुल गांधी तो रक्फ़के बहाने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ, वोट चोर, गद्दी छोड़ मुहिम ही चलाने लगे हैं. 2025 में देश की न्यायपालिका भी कुछ घटनाओं और विवादों की वजह से सुर्खियों का हिस्सा बनी।जम्मू-कश्मीर में 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकवादी हमले के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया गया। ऑपरेशन सिंदूर में सरहद पार पाकिस्तान में बने कई आतंकवादी ठिकानों को नेस्तनाबूद किया गया और 125 से ज्यादा आतंकवादी मारे गए।

6 और 7 फरवरी की रात ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया गया, और बाद में पाकिस्तान के साथ बातचीत के बाद सीजफायर लागू कर दिया गया।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का सीजफायर के लिए बीच बचाव का दावा रहा है, जिसे भारत सरकार ने सिरे से खारिज कर दिया है।

ट्रंप के दावे पर भारत में भी खूब राजनीति हुई।विपक्षी गठबंधन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार से सीजफायर के मामले में जवाब मांगता रहा, और चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग भी होती रही। विशेष सत्र तो नहीं बुलाया गया, लेकिन सत्र शुरू हुआ तो उसमें चर्चा जरूर हुई।बिहार चुनाव में नीतीश कुमार की सत्ता में वापसी से भी महत्वपूर्ण रहा विपक्षी राष्ट्रीय जनता दल का महज 25 सीटों पर सिमट जाना. बिहार चुनाव के नतीजों ने 2014 के लोकसभा चुनाव की याद दिला दी. हालांकि, तेजस्वी यादव की आरजेडी को इतनी सीटें जरूर मिल गईं, जिससे नेता प्रतिपक्ष का पद मिल सके।2025 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में सत्ता परिवर्तन हो गया।आम आदमी पार्टी को शिकस्त देकर भारतीय जनता पार्टी दिल्ली में भी सत्ता पर काबिज हो गई, और रेखा गुप्ता मुख्यमंत्री बन गईं।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया के कई देशों पर टैरिफ लगाया।लेकिन, भारत का मामला थोड़ा अलग रहा। ऑपरेशन सिंदूर में सीजफायर कराने के उनके दावे को खारिज किए जाने के बाद 27 अगस्त से भारत पर ट्रंप प्रशासन ने टैरिफ बढ़ाकर 50 फीसदी कर दिया। यह कहकर कि सजा है रूसी तेल आयात करने की, जिससे पुतिन को यूक्रेन के खिलाफ युद्ध लड़ने के लिए पैसा मिल रहा है। ट्रंप टैरिफ के बाद विपक्ष ने मोदी-ट्रंप दोस्ती को मुद्दा बनाकर बीजेपी सरकार की विदेश नीति पर हमला किया।चाहे इंडिगो एयरलाइंस से जुड़ी अव्यवस्था हो, वायु प्रदूषण को लेकर बढ़ता गुस्सा हो, भाजपा शासित राज्यों में बढ़ता भ्रष्टाचार हो या गिरता रुपया, मोदी सरकार अपनी ही अक्षमता में फंसी दिख रही है और रोजमर्रा के शासन की चुनौतियों से निपटने में जूझ रही है।अर्थव्यवस्था की लगातार सुस्ती भी मोदी के सपने के टूटने की एक बड़ी वजह है। निजी निवेश में काफी गिरावट आई है और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश भी कम हुआ है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने हाल ही में मोदी सरकार के विकास आंकड़ों की सटीकता पर सवाल उठाए हैं।भारतीय देश छोड़कर जा रहे हैं।पिछले पांच वर्षों में करीब 10 लाख लोगों ने भारतीय नागरिकता छोड़ दी है।पहलगाम और दिल्ली के लाल किले में हुए आतंकी हमलों ने गृह मंत्री अमित शाह के उस दावे को गलत साबित कर दिया कि सीमा पार आतंकवाद की कमर तोड़ दी गई है।पहलगाम और दिल्ली में सुरक्षा की गंभीर चूक, खासकर यह तथ्य कि विस्फोटकों से भरी एक कार राष्ट्रीय राजधानी तक आसानी से पहुंच गई, ने चरमपंथ और उग्रवाद पर सख्ती से कार्रवाई करने वाली तथाकथित मजबूत सरकार की छवि को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है।

(लेखक राजनीतिक चिंतक व वरिष्ठ पत्रकार है)

यही हैं विद्वेष व हिंसा से भारत को बदनाम करने वाली शक्तियां?

तनवीर जाफ़री

'क्रिसमस' प्रत्येक वर्ष की भांति गत 25 दिसंबर को भी पूरे विश्व में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर दुबई की मशहूर एयरलाइन एमिरेट्स ने एक अनोखा वीडियो जारी किया, जिसमें दिखाया गया कि उनके बड़े विमान एयरबस ए 380 को सांता क्लॉज की जादुई स्लेज में बदल दिया गया है। इस विमान को 'स्लेज 380' का नाम दिया गया है। इस वीडियो में ए380 को रुडॉल्फ रेनडियर की तरह लाल नाक और बड़े सींग लगाए गए हैं, और उपहारों से भरी एक विशाल स्लेज विमान से जुड़ी दिखती है। विमान रनवे पर दौड़ता है और आसमान में उड़ान भरता है, जैसे सांता दुनिया भर में गिफ़्ट बांटने जा रहा हो। एमिरेट्स ने इस सीजन में यात्रियों को खास तोहफे भी दिए, जिसमें फेस्टिव ड्रिंक्स, थीम्ड मिठाइयां, विंटर-स्टाइल लाउंज और लिमिटेड एडिशन क्रिसमस गिफ़्ट शामिल हैं। वैसे भी चूँकि क्रिसमस मनाने के साथ ही नये वर्ष के स्वागत की तैयारियां भी शुरू हो जाती हैं इसलिये भी दुनिया के सभी देश व सभी धर्मों व वर्गों के लोग भी क्रिसमस मनाने में अपनी दिलचस्पी दिखाते हैं।

भारत में भी लगभग 2.8 करोड़ ईसाई रहते हैं जो देश की कुल जनसंख्या का लगभग 2.3% है। ईसाई समुदाय भारत में तीसरा सबसे बड़ा धार्मिक समूह है। लिहाजा यहाँ भी ईसाई समुदाय क्रिसमस, गुड फ़्राइडे व नव वर्ष जैसे अपने सभी त्यौहार सदियों से मनाते आ रहे हैं। वैसे भी ब्रिटिशकाल में भारत में अंग्रेजों ने जहां विकास सम्बन्धी तमाम इबारतें लिखीं वहीं उनके शासन में देश भर में अनेक बड़े व ऐतिहासिक चर्च, स्कूल व अस्पताल भी निर्मित किये गये। आज भी क्रि यन मिशनरी देश की शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में अपना महत्वपूर्ण योगदान अदा कर रही है। इन सब वास्तविकताओं को दरकिनार कर देश का एक दक्षिणपंथी वर्ग ऐसा है जिसके संस्कारों में ही धर्म विशेष के लोगों से नफरत करना व उनके धार्मिक रीति रिवाजों व परंपराओं का विरोध करना शामिल है। नकारात्मकता की सोच से भरे इसी विचारधारा के लोग विगत कई वर्षों से क्रिसमस त्यौहार मनाये जाने का विरोध करते आ रहे हैं। जबकि 'सर्व धर्म समभाव ' जैसे गांधीवादी विचारों का अनुसरण करने वाला देश का आम नागरिक सभी धर्मों के त्योहारों व परंपराओं व रीति रिवाजों में खुशी से शरीक होकर प्रत्येक उत्सव का आनंद लेना चाहता है साथ ही एक दूसरे धर्म के लोगों के प्रति अपनी एकजुटता दिखाना चाहता है।

नफरत, नकारात्मकता, संकीर्णता व साम्प्रदायिक वैमनस्य की सोच से भरे इन्हीं तत्वों ने गत क्रिसमस के अवसर पर पूरे देश में विभिन्न चर्चों व सार्वजनिक स्थलों पर ऐसा तांडव किया जिसकी चर्चा देश के मीडिया में कम परन्तु विदेशी मीडिया में ज्यादा हुई। इस दौरान भारत के विभिन्न राज्यों में ईसाई समुदाय के विरुद्ध हुई घटनाओं में तोड़फोड़, हमले और उत्पात की कई रिपोर्ट्स सामने आईं। उदाहरण स्वरूप छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में मैग्नेटो मॉल में भीड़ ने क्रिसमस डेकोरेशंस में तोड़फोड़ की, जिसमें लाखों का नुक़्सान हुआ। जबकि कांकेर जिले में दो चर्च जला दिये गए और कई ईसाई घरों को निशाना बनाया गया। इसी तरह असम के नालबाड़ी में सेंट मैरी स्कूल में वी एच पी कार्यकताओं ने क्रिसमस बैनर्स और डेकोरेशंस को जलाया व स्कूल के पास की दुकानों पर भी हमले किये। इसी तरह केरल के पलक्कड़, चारूमूडू व पुडुसेरी में बच्चों के कैरोल ग्रुप पर हथियारों से हमला किया गया जिसमें महिलाएं और बच्चे शामिल थे। इसी तरह मध्य प्रदेश के जबलपुर में भी कुछ इलाकों में ईसाई धर्मावलंबियों की प्रार्थना सभाओं और धार्मिक आयोजनों के दौरान मारपीट और हंगामा किए जाने की खबर है जबकि झाबुआ में प्रेयर मीटिंग में व्यवधान डाला गया जिसमें एक नेत्रहीन महिला पर हमला किया गया। उत्तर प्रदेश में सेंट अल्फोंसस कैथेड्रल के बाहर हनुमान चालीसा का पाठ लाउडस्पीकर पर बजाया गया, लखनऊ में कैथेड्रल सर्विस में तेज आवाज से धार्मिक भजन बजाए गये। इसी प्रकार राजस्थान के जोधपुर और नागौर में एक स्कूल में क्रिसमस बैनर्स तोड़े गए, नागौर में युवाओं ने स्कूल के सामने मंदिर का होने का बहाना बनाकर तोड़फोड़ की। दिल्ली के लाजपत नगर व पूर्वी दिल्ली में सेंटा कैप पहनी महिलाओं और बच्चों को बाजार से भगाया गया एक बाजार में जबरदस्त उत्पात मचाया गया। उत्तराखंड के हरिद्वार में एक होटल में क्रिसमस संबंधी एक आयोजन को रद्द करना पड़ा। जबकि ऋषिकेश में एक प्रार्थना सभा में व्यवधान डाला गया और जीसस और मैरी का अपमान करते हुये उन्हें अपशब्द कहे गए। ओडिशा के पुरी में सेंटा कैप बेचने वाले गरीब परिवार को धमकाया और भगाया गया जबकि महाराष्ट्र में मुंबई के काशीमीरा में क्रिसमस प्रोग्राम रोका गया तथा वहां मौजूद बच्चों से हिन्दू धर्म से जुड़े नारे लगवाए गये। देश भर में इस तरह कि 60 से भी अधिक घटनाओं के समाचार हैं और इन प्रत्येक घटनाओं का विरोध करने वालों में लगभग हर जगह संघ, बजरंग दल, वी एच पी, भाजपा व इनके सहयोगी अन्य हिंदुत्ववादी संगठनों के लोगों के शामिल होने की खबरें हैं।

ब्रिटेन से लेकर टर्की तक और कई अरब देशों का मीडिया भारत में क्रिसमस के अवसर पर मचाये गये तांडव को लेकर भारत को किस नजर से देख रहा है? बड़ा आ र्य है कि इस अवसर पर स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली के कैथेड्रल चर्च पहुँचते हैं और इससे जुड़ी कई तस्वीरें अपने सोशल मीडिया पोस्ट में साझा करते हुये लिखते हैं कि ₹दिल्ली में द कैथेड्रल चर्च ऑफ द रिडेम्पशन में क्रिसमस की सुबह की सर्विस में शामिल हुआ। सर्विस में प्यार, शांति और करुणा का शाश्वत संदेश झलका। क्रिसमस की भावना हमारे समाज में सद्भाव और भाईचारा लाए। ₹ सवाल यह है कि नरेंद्र मोदी भी संघ की उसी पाठशाला के 'विद्यार्थी' रहे हैं जिसमें संघ संस्थापक व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक गोलवलकर कम्युनिस्ट विचारधारा, ईसाई और मुसलमान जैसे समुदाय को भारत की राष्ट्रीय पहचान और हिंदू संस्कृति के लिए खतरा समझते थे। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दिल्ली के कैथेड्रल चर्च पहुंचकर शांति व प्रेम का सन्देश देना कितना वास्तविक है और कितना औपचारिक या दिखावा? और यदि वास्तव में मोदी को क्रिसमस के अवसर पर करुणा का शाश्वत संदेश झलकते दिखाई दिया तो उसी विचारधारा के लोगों द्वारा हिंसा और उद्दंडता का ऐसा साम्प्रदायिक प्रदर्शन क्यों जिससे दुनिया में देश की बदनामी हो? दरअसल यही हैं विद्वेष व हिंसा से भारत को बदनाम करने वाली शक्तियां?

प्रतापगढ़ के सँज्यानाथ धाम स्थित कालूजी महाराज के आश्रम पर पौष बड़ा प्रसादी का आयोजन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा प्रतापगढ़

पौष माह की अष्टमी के अवसर पर प्रतापगढ़ क्षेत्र के लौटवाश में स्थित सँज्यानाथ धाम के समीप कालूजी महाराज के आश्रम पर रविवार को पौष बड़ा प्रसादी का आयोजन श्रद्धा और उल्लास के साथ किया गया। दोपहर करीब 12 बजे शुरू हुए इस आयोजन में क्षेत्र सहित आसपास के इलाकों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य धुनों पर भोग अर्पित कर की गई, जिसके बाद प्रसादी वितरण प्रारंभ हुआ। श्रद्धालुओं को पंगत में बैठाकर व्यवस्थित रूप से प्रसादी कराई गई, जो देर शाम तक चलती रही। आयोजन के दौरान साफ-सफाई, अनुशासन और व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया गया, जिससे सभी श्रद्धालुओं को सहज और सुव्यवस्थित तरीके से प्रसादी प्राप्त हुई। प्रसादी में श्रद्धालुओं को हलवा, पूरी, पकौड़ी और सब्जी परोसी गई। आयोजन स्थल पर सेवाभाव का वातावरण देखने को मिला, जहां स्वयंसेवकों ने तन-मन से व्यवस्थाओं को संभाला। कमेटी सदस्य रामकिशोर मीणा ने बताया कि कालूजी महाराज के प्रति श्रद्धा रखने वाले दौसा सहित विभिन्न क्षेत्रों से सैकड़ों श्रद्धालु और कार्यकर्ता इस आयोजन को सफल बनाने में सहयोग करते हैं। उन्होंने बताया कि कालूजी महाराज द्वारा इस स्थान पर अनेक बार यज्ञ संपन्न कराए गए हैं, जिससे यह धाम श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है।

मोबाइल लौटाकर पेश की ईमानदारी की मिसाल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नीमराना

ईमानदारी आज भी जिंदा है, इसका उदाहरण रविवार को नीमराना थाने में देखने को मिला। जाट बहरोड़ निवासी नवीन जेवरिया को शुक्रवार को सड़क पर करीब 25 से 30 हजार रुपये कीमत का एक मोबाइल पड़ा मिला। मोबाइल मिलने के बाद उन्होंने उसे अपने पास रखने के बजाय सीधे नीमराना थाने पहुंचकर थाना प्रभारी राजेश कुमार मीणा को सौंप दिया। मोबाइल में सिम नहीं होने के कारण पुलिस की तकनीकी टीम की मदद से जांच कर मोबाइल के मालिक रामबीर सिंह तंवर पुत्र रावतसिंह तंवर निवासी हलाला की ढाणी, तहसील नीमकाथाना जिला सीकर का पता लगाया गया। वर्तमान में वे विद्युत विभाग के एसई कार्यालय कोटपूतली में एक्स सर्विसमैन गार्ड के रूप में कार्यरत हैं। रविवार को थाने पहुंचने पर डीएसपी चारू गुप्ता की मौजूदगी में नवीन जेवरिया ने रामबीर सिंह को उनका मोबाइल सौंपा। मोबाइल वापस मिलने पर रामबीर सिंह ने पुलिस टीम और नवीन जेवरिया की सराहना की। उल्लेखनीय है कि नवीन जेवरिया पहले भी रास्ते में मिला एक बैग उसके मालिक तक सुरक्षित पहुंचा चुके हैं।

नीमराना में श्री गुरु गोविंद सिंह जी के परिवार की शहादत को समर्पित नगर कीर्तन का आयोजन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नीमराना

श्री गुरु गोविंद सिंह जी के परिवार की महान शहादत, त्याग और बलिदान को स्मरण करते हुए रविवार को नीमराना में श्रद्धा और उत्साह के साथ नगर कीर्तन का आयोजन किया गया। यह आयोजन गुरुद्वारा श्री गुरुनानक दरबार साहेब, कोटपुतली की अगुवाई में तथा सरदार केपी सिंह के आग्रह पर संपन्न हुआ। नगर कीर्तन की शुरुआत पंज प्यारों की अगवानी में बाबा खेतानाथ चौक बाईपास से हुई। कीर्तन नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए आशियाना ग्रीन सोसायटी पहुंचा। इस दौरान गुरु महाराज की वाणी के कीर्तन से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर नगर कीर्तन का स्वागत किया। आशियाना ग्रीन सोसायटी के हॉल में भव्य कीर्तन दरबार सजाया गया, जहां गुरु महिमा का गुणगान किया गया। कीर्तन के पश्चात गुरु का अटूट लंगर आयोजित हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन में कोटपुतली, नीमराना और बहरोड़ क्षेत्र की संगत ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कोटपुतली से दयाल सिंह, वीरेंद्र अरोड़ा, जतिन मेहंदीरत्ता, गुरप्रीत सिंह, अवनीत सिंह और जसकरण सिंह ने नगर कीर्तन की व्यवस्थाओं में सक्रिय भूमिका निभाई। नगर कीर्तन के माध्यम से गुरु गोविंद सिंह जी के परिवार की शहादत का संदेश संगत तक प्रभावी रूप से पहुंचाया गया।

बैंकिंग कार्यों और संगठन पर हुआ मंथन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

ऑल इंडिया पंजाब नेशनल बैंक ऑफिसर्स फेडरेशन की केंद्रीय कमेटी की दो दिवसीय बैठक कटी घाटी स्थित एक रिजॉर्ट में आयोजित की गई। बैठक में केंद्रीय पदाधिकारी जैन के. त्रिवेदी, सुशील कटारिया और महासचिव कृष्ण कुमार सहित कई पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक के दौरान बैंकिंग कार्यों की प्रगति, कर्मचारियों पर बढ़ते मानसिक दबाव, इससे उत्पन्न नकारात्मकता तथा संगठन की मजबूती और आगे की दिशा पर विस्तार से चर्चा की गई। महासचिव कृष्ण कुमार ने बताया कि कार्यस्थल पर सकारात्मक वातावरण बनाए रखने और अधिकारियों के हितों की रक्षा के लिए संगठन निरंतर प्रयासरत है। पंजाब नेशनल बैंक के मंडल प्रमुख अलवर श्वेतांक कुमार ने जानकारी दी कि मंडल अलवर राजस्थान आंचल में बैंकिंग कार्य की प्रगति के लिहाज से तीसरे स्थान पर है। बैठक का आयोजन एआईपीएनबीओएएफ के मंडल सचिव लोकेश मीणा और उनकी टीम द्वारा किया गया। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष इंद्रजीत यादव ने भी अपने विचार रखे।

सम्मेद शिखर के लिए सीधी ट्रेन चलाने की मांग

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अलवर

जैन समाज ने केंद्र सरकार से जैन धर्म के प्रमुख तीर्थ स्थल सम्मेद शिखर के लिए अलवर से सीधी ट्रेन चलाने की मांग उठाई है। जैन पत्रकार महासंघ के जिला संयोजक हरीश जैन ने बताया कि अलवर जिले से बड़ी संख्या में जैन समाज के श्रद्धालु नियमित रूप से सम्मेद शिखर की यात्रा करते हैं, लेकिन वर्तमान में सीधी रेल सेवा नहीं होने के कारण यात्रियों को पहले दिल्ली या जयपुर जाना पड़ता है। उन्होंने कहा कि अन्य शहरों के रास्ते होकर यात्रा करने से समय और धन दोनों की अतिरिक्त परेशानी उठानी पड़ती है। विशेषकर बुजुर्ग श्रद्धालुओं और महिलाओं के लिए यह यात्रा और अधिक कठिन हो जाती है। यदि अलवर से सम्मेद शिखर के लिए सीधी ट्रेन चलाई जाती है, तो जैन समाज के हजारों श्रद्धालुओं को सुविधा मिलेगी। हरीश जैन ने बताया कि सम्मेद शिखर जैन समाज का सिद्ध क्षेत्र है, जहां से 20 जैन तीर्थंकरों ने मोक्ष प्राप्त किया है। ऐसे पवित्र धार्मिक स्थल के लिए सुगम और सीधी यात्रा व्यवस्था होना आवश्यक है।

अरावली विरासत जन अभियान को लेकर 30 दिसंबर को कोटपूतली में जनसभा, कलेक्ट्रेट तक पैदल मार्च कर सौंपा जाएगा ज्ञापन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

अरावली पर्वतमाला के संरक्षण को लेकर चल रहे अरावली विरासत जन अभियान के तहत आगामी 30 दिसंबर मंगलवार को कोटपूतली में जिला स्तरीय जनसभा का आयोजन किया जाएगा। इस जनसभा में जिले भर से लोग नगर परिषद पार्क में एकत्रित होंगे और इसके बाद पैदल मार्च करते हुए जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचकर राष्ट्रपति के नाम जिला कलक्टर प्रियंका गोस्वामी को ज्ञापन सौंपेंगे। अभियान से जुड़े संगठनों की मांग है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा अरावली की विवेचना को लेकर दिए गए हालिया फैसले को रिवोक किया जाए। सामाजिक कार्यकर्ता राधेश्याम शुक्लावास ने बताया कि अरावली पर्वतमाला भारत की सबसे प्राचीन पर्वत श्रृंखला है, जिसे उत्तरी भारत की जीवन रेखा माना जाता है। राजस्थान में अरावली की छोटी-छोटी पहाड़ियां ही पर्यावरण, पशुधन और जल संसाधनों के लिए जीवनदायिनी हैं। पशुपालन का बड़ा आधार इन्हीं पहाड़ियों पर निर्भर है और यह क्षेत्र भू-जल रिचार्ज का प्रमुख स्रोत भी है। अरावली की चट्टानी संरचना वर्षा जल को भूमिगत भेजने में अहम भूमिका निभाती है, जिससे राजस्थान की जल सुरक्षा सुनिश्चित होती है। उन्होंने बताया कि चंबल, साबरमती, लूणी, बनास, साहिबी और सोता जैसी नदियां अरावली पर्वतमाला से ही पोषित होती हैं। यदि अरावली का संरक्षण कमजोर हुआ तो उत्तर भारत में जल संकट और अधिक गहरा हो जाएगा। इसका सीधा असर पीने के पानी के साथ-साथ कृषि पर भी पड़ेगा। इसके अलावा जैव विविधता की दृष्टि से भी अरावली एक अनमोल धरोहर है, जहां अनेक वनस्पतियां और जीव-जंतु निवास करते हैं। राधेश्याम शुक्लावास ने सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश पर चिंता जताई, जिसमें केवल 100 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले भू-रूपों को ही अरावली पहाड़ी मानने की व्याख्या की गई है। उनका कहना है कि इस फैसले से अरावली क्षेत्र का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा संरक्षण से बाहर हो गया है। उन्होंने इसे पर्यावरण संरक्षण के खिलाफ बताया और आरोप लगाया कि इससे कॉरपोरेट हितों और खनन माफिया को अरावली के दोहन का रास्ता मिल जाएगा। अभियान से जुड़े संगठनों ने स्पष्ट किया है कि जब तक इस आदेश को निरस्त नहीं कराया जाता, तब तक अरावली विरासत जन अभियान के तहत जन आंदोलन जारी रहेगा। इसी क्रम में रविवार को राधेश्याम शुक्लावास के नेतृत्व में मास्टर जयसिंह यादव, सुबेसिंह मीणा, ग्यारसीलाल आर्य, पूर्व उप सरपंच सम्पतराम यादव और गोकुल यादव सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने विभिन्न गांवों में जनसंपर्क किया और लोगों को जनसभा में शामिल होने के लिए पंपलेट वितरित किए। आयोजकों का कहना है कि यह आंदोलन अरावली के संरक्षण और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य के लिए जरूरी है।

नारायणपुर में मंत्री अविनाश गहलोत का स्वागत, अंबेडकर छात्रावास विस्तार को लेकर सौंपा ज्ञापन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नारायणपुर

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के मंत्री अविनाश गहलोत रविवार को थानागाजी में सैनी समाज के प्रतिभा सम्मान समारोह में शिरकत करने के बाद नारायणपुर नगरपालिका क्षेत्र के गांव ज्ञानपुरा स्थित देवीसिंह शेखावत के आवास पर पहुंचे। यहां उनके आगमन पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने माला व साफा पहनाकर गर्मजोशी से भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर विधायक देवीसिंह शेखावत ने मंत्री गहलोत को कस्बे में संचालित 25 सीटों वाले अंबेडकर छात्रावास को बढ़ाकर 50 बेड से अधिक क्षमता का छात्रावास किए जाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। विधायक ने कहा कि छात्रावास के विस्तार से क्षेत्र के जरूरतमंद विद्यार्थियों को शिक्षा के बेहतर अवसर मिलेंगे। मंत्री अविनाश गहलोत ने ज्ञापन पर सकारात्मक विचार का आश्वासन देते हुए कहा कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग विद्यार्थियों के हित में सुविधाओं के विस्तार के लिए प्रतिबद्ध है। इसके साथ ही विधायक शेखावत और मंत्री गहलोत के बीच बानसूर विधानसभा से जुड़े विभिन्न विकासात्मक मुद्दों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, जनप्रतिनिधि और भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बहरोड़ में नेशनल हाईवे पर तीन ट्रकों की टक्कर, केबिन में फंसा ड्राइवर एक घंटे तक कराहता रहा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा बहरोड़

कोटपूतली-बहरोड़ जिले के बहरोड़ क्षेत्र में नेशनल हाईवे-48 पर रविवार को बड़ा सड़क हादसा हो गया। गांव गुंती स्थित एक फैक्ट्री के सामने जयपुर से दिल्ली की ओर जा रहे तीन भारी वाहन एक के बाद एक आपस में टकरा गए। हादसे में बंद बॉडी कंटेनर ट्रक का ड्राइवर केबिन में बुरी तरह फंस गया, जिसे करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला जा सका। पुलिस के अनुसार एक खराब ट्रक को ट्रैक्टर के जरिए टोचन कर ले जाया जा रहा था। इसी दौरान पीछे से आ रहे एक ट्रक का संतुलन बिगड़ गया और वह टोचन किए जा रहे ट्रक से टकरा गया। उसके ठीक पीछे चल रहा बंद बॉडी कंटेनर समय रहते ब्रेक नहीं लगा सका और वह भी आगे वाले ट्रक से जा भिड़ा। देखते ही देखते तीनों वाहन आपस में टकरा गए। हादसे के बाद हाईवे पर कुछ समय के लिए यातायात बाधित हो गया। हादसे में बंद बॉडी कंटेनर का चालक चांदमल (21) निवासी भीलवाड़ा केबिन में फंस गया। पैर फंसे होने के कारण वह बाहर नहीं निकल सका और दर्द से कराहता रहा। स्थानीय लोगों और हाईवे पेट्रोलिंग टीम की मदद से करीब एक घंटे बाद चालक को सुरक्षित बाहर निकाला गया। घायल चालक को एम्बुलेंस से बहरोड़ के विशंभर दयाल गुप्ता जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसके पैर में गंभीर चोट बताई गई है। पुलिस ने मौके पर यातायात सुचारु कर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

किशनगढ़बास में सफर-ए-शहादत का समापन, दूध के विशाल लंगर से गुरु गोविंद सिंह की शहादत को किया नमन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा किशनगढ़बास

सिख धर्म के दसवें गुरु गुरु गोविंद सिंह और उनके परिवार की शहादत की स्मृति में मनाए जा रहे 'सफर-ए-शहादत' का किशनगढ़बास में दूध के विशाल लंगर के साथ समापन हुआ। यह आयोजन खैरथल रोड स्थित गुरुद्वारे के पास सिख समाज की ओर से श्रद्धा और सेवा भाव के साथ किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और नगरवासियों ने भाग लिया। इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय परिषद सदस्य एवं किशनगढ़बास के पूर्व विधायक रामहेत सिंह यादव विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने स्वयं श्रद्धालुओं को दूध वितरित कर सेवा की और गुरु गोविंद सिंह तथा उनके परिवार के महान बलिदान को नमन किया। कार्यक्रम के दौरान गुरु परंपरा के सेवा, समर्पण और त्याग के संदेश को आत्मसात किया गया। कार्यक्रम के महामंत्री जयसिंह सरदार ने बताया कि गुरु गोविंद सिंह के परिवार के अद्वितीय बलिदान को याद करते हुए पिछले आठ दिनों से विभिन्न सेवा कार्यों के माध्यम से श्रद्धांजलि अर्पित की जा रही थी। दूध का यह विशाल लंगर उसी श्रृंखला का अंतिम कार्यक्रम था, जिसमें संगत ने बढ़-चढ़कर सेवा की। लंगर कार्यक्रम में किशनगढ़बास मंडल अध्यक्ष मनोज मित्तल, महामंत्री जयसिंह सरदार, उपाध्यक्ष जसवंत यादव, तेज सिंह सैनी, मंडल मंत्री विनोद मिश्रा सहित अनेक समाजसेवी, सिख संगत और नगरवासी मौजूद रहे। सभी ने मिलकर लंगर सेवा में योगदान दिया और गुरु गोविंद सिंह जी की शहादत को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया।

अध्यापक क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

बॉश इंडिया फाउंडेशन के ब्रिज फाउंडेशन कार्यक्रम के अंतर्गत सामाजिक युवा संगठन संस्थान एवं आदर्श शिक्षा समिति के सहयोग से विद्या भारती जयपुर के अंतर्गत संचालित आदर्श विद्या मंदिर विद्यालयों के आचार्य एवं प्रधानाचार्यों के लिए तीन दिवसीय आवासीय क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ कस्बे के बसंत प्रभु आदर्श विद्या मंदिर में हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों की शैक्षणिक दक्षता, नेतृत्व क्षमता और नवाचार को सुदृढ़ करना है। कार्यक्रम का परिचय देते हुए सामाजिक युवा संगठन संस्थान के सचिव एवं आदर्श शिक्षा समिति के उपाध्यक्ष रामदयाल सैन ने बताया कि प्रशिक्षण में 21वीं सदी के कौशल, राष्ट्रीय शिक्षा नीति का प्रभावी क्रियान्वयन, अनुभव आधारित शिक्षण, स्व-अधिगम, जीवन कौशल के विभिन्न घटक तथा गतिविधि आधारित शिक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण बदलते शैक्षिक परिदृश्य में शिक्षकों को अधिक सक्षम बनाते हैं। उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता विद्या भारती संस्थान के प्रांत मंत्री डॉ. बृजमोहन वर्मा ने शिक्षकों से नेतृत्व क्षमता विकसित करने, नवाचार अपनाने और शिक्षण गुणवत्ता को मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन में शिक्षकों की भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में कोटपूतली, शाहपुरा, चौमू और फुलेरा संकुल के 50 से अधिक आचार्य एवं प्रधानाचार्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस वे के विरोध में जयपुर में 30 दिसंबर को अन्नदाता हुंकार रैली, कोटपूतली-बहरोड़ जिले से हजारों किसान होंगे शामिल

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

राजधानी जयपुर में प्रस्तावित ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस वे के विरोध में आगामी 30 दिसंबर को किसान महापंचायत के आह्वान पर अन्नदाता हुंकार रैली का आयोजन किया जाएगा। इस रैली में कोटपूतली-बहरोड़ जिले से हजारों किसानों के शामिल होने की संभावना है। यह जानकारी किसान महापंचायत के प्रदेश मीडिया प्रभारी सुरेश बिजारणिया ने क्षेत्र के विभिन्न गांवों के दौरे के दौरान दी। सुरेश बिजारणिया ने बताया कि ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस वे के नाम पर किसानों की उपजाऊ कृषि भूमि का अधिग्रहण किया जा रहा है, जिससे किसानों की आजीविका पर सीधा संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने कहा कि किसान विकास के विरोधी नहीं हैं, लेकिन विकास के नाम पर उनकी जमीन छीनना किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसी के विरोध में जयपुर में अन्नदाता हुंकार रैली आयोजित की जा रही है, ताकि सरकार तक किसानों की आवाज मजबूती से पहुंचाई जा सके। किसान महापंचायत के प्रदेश पदाधिकारियों ने ग्राम गोनेड़ा, करवास, चिमनपुरा, खरकड़ी, सांगटेड़ा, रामसिंहपुरा, जयसिंहपुरा, खेड़की वीरभान, अजीतपुरा, नयागांव, भोपतपुरा, चूरी, रामनगर, नांगल चेचीका सहित अनेक गांवों में जनसंपर्क किया। इस दौरान किसानों को ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस वे के दुष्परिणामों की जानकारी दी गई और 30 दिसंबर को जयपुर पहुंचकर रैली में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आह्वान किया गया। किसान नेताओं ने बताया कि यह एक्सप्रेस वे परियोजना किसानों की सहमति के बिना लाई जा रही है और मुआवजे, पुनर्वास तथा वैकल्पिक आजीविका को लेकर भी स्थिति स्पष्ट नहीं है। इससे न केवल किसानों की जमीन जाएगी, बल्कि ग्रामीण सामाजिक ढांचा और पर्यावरण भी प्रभावित होगा। ऐसे में किसान महापंचायत ने एकजुट होकर शांतिपूर्ण आंदोलन का रास्ता अपनाने का निर्णय लिया है। जनसंपर्क अभियान के दौरान प्रदेश मंत्री महेश जाखड़, जिलाध्यक्ष बाबूलाल चौधरी, डॉ. दाताराम नंबरदार पनियाला, किसान नेता राकेश रावत, पूर्व सरपंच संघ अध्यक्ष पुष्कर रावत, हरसहाय तंवर, शीशराम, रामेश्वर, मूलचंद, तहसील अध्यक्ष अशोक कुमार, सुभाष यादव, इंद्राज यादव सहित अनेक किसान प्रतिनिधि मौजूद रहे। सभी ने किसानों से अपील की कि वे अपने हक और जमीन की रक्षा के लिए जयपुर में आयोजित अन्नदाता हुंकार रैली में बढ़-चढ़कर भाग लें। किसान महापंचायत ने स्पष्ट किया है कि जब तक किसानों की मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। 30 दिसंबर की रैली को लेकर जिलेभर के किसानों में खासा उत्साह देखा जा रहा है और बड़ी संख्या में किसानों के जयपुर कूच करने की तैयारियां चल रही हैं।

यादव समाज जिला कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित, 98 पदाधिकारियों ने ली शपथ

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटपूतली

कस्बे के कृष्ण यादव छात्रावास भवन में रविवार को जिला कोटपूतली-बहरोड़ यादव समाज कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष हरसहाय यादव ने पूर्व गिरदावर रामनिवास यादव को जिलाध्यक्ष पद की शपथ दिलाई। इसके साथ ही जिला कार्यकारिणी के कुल 98 सदस्यों को विभिन्न पदों की शपथ दिलाई गई। समारोह की अध्यक्षता करते हुए पूर्व गृह राज्यमंत्री राजेन्द्र सिंह यादव ने शिक्षा को समाज की प्रगति का आधार बताते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में आपसी विवादों का समाधान स्थानीय स्तर पर चौपाल के माध्यम से समन्वय से करने पर जोर दिया। विशिष्ट अतिथि मुंडावर विधायक ललित यादव, बहरोड़ प्रधान प्रतिनिधि बस्तीराम यादव, बानसूर प्रधान सुभाष यादव, पूर्व प्रधान विराटनगर महादेव यादव और संयुक्त रजिस्ट्रार नेतराम मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान समाज सुधार से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा हुई। विधायक ललित यादव ने उपस्थित सदस्यों को दहेज प्रथा, डीजे और मृत्यु भोज बंद करने की शपथ दिलाई। हरसहाय यादव ने समाज में आपसी समन्वय बढ़ाने और सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित करने की अपील की। अतिथियों ने जागरूकता अभियान चलाकर सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने का आह्वान किया। समारोह में समाज के अनेक जनप्रतिनिधि, शिक्षाविद्, चिकित्सक, अधिवक्ता, सरपंच और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

केंद्रीय विद्यालय शिफ्टिंग के विरोध में राजगढ़ बंद पांचवें दिन भी जारी, बढ़ता जनआक्रोश

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा राजगढ़

केंद्रीय विद्यालय राजगढ़ को रैणी उपखंड के दलालपुरा में शिफ्ट करने के विरोध में राजगढ़ कस्बा लगातार पांचवें दिन भी पूरी तरह बंद रहा। राजगढ़ आवाज मंच के आह्वान पर शोरूम से लेकर छोटी दुकानों और रेहड़ी-पटरी तक सभी प्रतिष्ठान बंद रहे। आंदोलन के पांच दिन बीत जाने के बावजूद न तो सरकार में बैठे जनप्रतिनिधि मौके पर पहुंचे हैं और न ही जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, जिससे लोगों में गहरा आक्रोश व्याप्त है। हालात को लेकर कानून व्यवस्था बिगड़ने की आशंका भी जताई जा रही है। आंदोलनकारियों की दो प्रमुख मांगें हैं। पहली, रैणी उपखंड के दलालपुरा में केंद्रीय विद्यालय के लिए आवंटित भूमि को निरस्त किया जाए। दूसरी, केंद्रीय विद्यालय को राजगढ़ उपखंड में ही खोला जाए। 24 अक्टूबर से शुरू हुए इस आंदोलन के दौरान बाजार बंद, धरना-प्रदर्शन और दो बार हाईवे जाम जैसी स्थितियां बन चुकी हैं। आंदोलनकारियों का आरोप है कि प्रशासन ने जानबूझकर राजगढ़ की अनदेखी करते हुए दलालपुरा में जमीन आवंटित की है। रविवार को आंदोलनकारी मुकेश जैमन का गोल मार्केट में आमरण अनशन दूसरे दिन भी जारी रहा। वहीं रवि नरूका, राजपाल मीना, प्रकाश फौजी, मनु शर्मा और दिनेश परेवा क्रमिक अनशन पर बैठे रहे। एसडीएम सीमा मीणा के निर्देश पर आमरण अनशन पर बैठे जैमन की स्वास्थ्य निगरानी के लिए चिकित्सकों की ड्यूटी लगाई गई है। प्रतिदिन तीन बार स्वास्थ्य जांच की जा रही है

व्यवहार से ग्रहों की स्थितियां होती हैं प्रभावित

ग्रहों का व्यक्ति के जीवन के साथ-साथ व्यवहार पर भी सीधा प्रभाव पड़ता है। हमारा व्यवहार हमारे ग्रहों की स्थितियों से संबंध रखता है या हमारे व्यवहार से हमारे ग्रहों की स्थितियां प्रभावित होती हैं। अच्छा या बुरा व्यवहार सीधा हमारे ग्रहों को प्रभावित करता है। ग्रहों के कारण हमारे भाग्य पर भी इसका असर पड़ता है। कभी-कभी हमारे व्यवहार से हमारी किस्मत पूरी बदल सकती है।

वाणी-

वाणी का संबंध हमारे पारिवारिक जीवन और आर्थिक समृद्धि से होता है।

ख़राब वाणी से हमें जीवन में आर्थिक नुक्सान उठाना पड़ता है।

कभी-कभी आकस्मिक दुर्घटनाएं घट जाती हैं।

कभी-कभी कम उम्र में ही बड़ी बीमारी हो जाती है।

वाणी को अच्छा रखने के लिए सूर्य को जल देना लाभकारी होता है।

गायत्री मंत्र के जाप से भी शीघ्र फायदा होता है।

आचरण-कर्म

हमारे आचरण और कर्मों का संबंध हमारे रोजगार से है।

अगर कर्म और आचरण शुद्ध न हों तो रोजगार में समस्या होती है।

व्यक्ति जीवन भर भटकता रहता है।

साथ ही कभी भी स्थिर नहीं हो पाता।

आचरण जैसे-जैसे सुधरने लगता है, वैसे-वैसे रोजगार की समस्या दूर होती जाती है।

आचरण की शुद्धि के लिए प्रात : और सायंकाल ध्यान करें।

इसमें भी शिव जी की उपासना से अद्भुत लाभ होता है।

जिम्मेदारियों की अवहेलना

जिम्मेदारियों से हमारे जीवन की बाधाओं का संबंध होता है।

जो लोग अपनी जिम्मेदारियां ठीक से नहीं उठाते हैं उन्हें जीवन में बड़े संकटों, जैसे मुक़दमे और कर्ज का सामना करना पड़ता है।

व्यक्ति फिर अपनी समस्याओं में ही उलझ कर रह जाता है।

अपनी जिम्मेदारियों को निभाने में कोताही न करें।

एकादशी का व्रत रखने से यह भाव बेहतर होता है।

साथ ही पौधों में जल देने से भी लाभ होता है।

सहायता न करना-

अगर सक्षम होने के बावजूद आप किसी की सहायता नहीं करते हैं तो आपको जीवन में मानसिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

कभी न कभी आप जीवन में अकेलेपन के शिकार हो सकते हैं।

जितना लोगों की सहायता करेंगे, उतना ही आपको ईश्वर की कृपा का अनुभव होगा।

आप कभी भी मन से कमजोर नहीं होंगे।

दिन भर में कुछ समय ईमानदारी से ईश्वर के लिए जरूर निकालें।

इससे करुणा भाव प्रबल होगा, भाग्य चमक उठेगा।

वास्तु: इस दिशा में खुले तिजोरी तो होता है धन-लाभ

हर कोई घर में सुख-शांति और लक्ष्मी का वास चाहता है और इसके लिए लोग कई उपाय करते है। कुछ लोग पूजा-पाठ, हवन तो कुछ आपना घर वास्तु के अनुसार बनवाते हैं। वहीं वास्तु के अनुसार अगर आप घर में कुछ चीजें दिशा के अनुसार रखते हैं तो इसका भी असर आपके जीवन पर पड़ता है।

आइए जानते हैं वास्तु से जुड़ी कुछ बातें :

1. ड्रेसिंग टेबल के साथ दर्पण पूर्व या उत्तर की दीवारों पर होना चाहिए।

2. अलमारी शयन कक्ष के उत्तर पश्चिमी या दक्षिण की ओर होनी चाहिए। टीवी, हीटर और एयर कंडीशनर दक्षिण पूर्वी दिशा के कोने में स्थित होना चाहिए।

3. पढ़ने और लिखने की जगह पूर्व या शयन कक्ष के पश्चिम की ओर होनी चाहिए जबकि पढ़ाई करते समय मुंह पूर्व दिशा में होना चाहिए।

बेडरूम में सेफ या तिजोरी दक्षिण की दीवार के साथ रखनी चाहिए। खुलते समय उसका मुंह उत्तर की तरफ खुलना चाहिए। इससे धन में कमी नहीं आएगी।

4. दक्षिण-पश्चिम और पश्चिम कोना कभी खाली नहीं रखना चाहिए।

5. बेडरूम के साथ लगता बाथरूम, कमरे के पश्चिम या उत्तर में होना चाहिए।

6. सोते समय एक अच्छी नींद के लिए सिर पूर्व या दक्षिण की तरफ होना चाहिए।

भगवान गणेश के साथ-साथ सूर्य देव की उपासना करना बहुत फलदायी माना जाता है

मान्यता है कि भगवान गणेश के साथ-साथ सूर्य देव की उपासना करना बहुत फलदायी माना जाता है। इसलिए बप्पा के साथ ही सूर्य देव की भी उपासना करें।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सूर्य देव को सभी ग्रहों का राजा माना जाता है। इसीलिए इसकी शुभ-अशुभ स्थिति व्यक्ति के जीवन पर बहुत गहरा प्रभाव डालती है। वास्तु शास्त्र के अनुसार सूर्य देव की अलग-अलग प्रतिमाएं रखना शुभ माना जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार अपनी इच्छानुसार घर में सूर्य देव की प्रतिमाएं रखी जा सकती हैं। तो आइए आज जानते हैं कि सूर्य देव की कौन सी प्रतिमा को घर में रखा जा सकता है।

लकड़ी की प्रतिमा

ज्योतिष और वास्तु के अनुसार सूर्यदेव की लकड़ी की प्रतिमा घर रखना बहुत अच्छा माना जाता है। मान्यता है कि इसके निरंतर पूजा-पाठ करने से घर के लोगों का समाज में मान-सम्मान बढ़ता है। इसके साथ ही उन्हें भाग्य का साथ मिल जाता है।

मिट्टी की प्रतिमा

जिस जातक की कुंडली में सूर्य दोष हो और उसके सभी कामों में बार-बार बाधाएं आ रही हो तो वो इंसान घर में पत्थर या मिट्टी की सूर्य प्रतिमा रख सकता है। कहा जाता है कि इसकी पूजा करने से हर कार्य में सफलता मिलती है।

तांबे की प्रतिमा

कहते हैं कि घर में सकारात्मकता बनाए रखने के लिए हर किसी को तांबे से बनी प्रतिमा रखनी चाहिए। इसके शुभ असर से सभी परेशानियों से छुटकारा मिल सकता है।

चांदी की प्रतिमा

कार्य क्षेत्र में अधिकार बनाए रखने के लिए चांदी की सूर्य प्रतिमा रख सकते हैं।

सोने की प्रतिमा

सोने से बनी सूर्य प्रतिमा घर में रखने और उसकी पूजा करने से घर में धन-धान्य बढ़ता है, सुख-समृद्धि बनी रहती है।

भक्तों के पास रहते हैं भगवान

किसी भी वस्तु की चेतनता की पहचान इच्छा, क्रिया अथवा अनुभूति के होने से होती है। अगर किसी वस्तु में ये तीनों नहीं होते हैं, तो उसे जड़ वस्तु कहते हैं और इन तीनों के होने से उसे चेतन वस्तु कहते हैं। मनुष्य में इन तीनों गुणओं के होने से उसे चेतन कहते हैं। मनुष्य के मृत शरीर में इनके न होने से उसे अचेतन अथवा जड़ कहते हैं।

प्रश्न यह उठता है कि जो मनुष्य अभी-अभी इच्छा, क्रिया अथवा अनुभूति कर रहा था और चेतन कहला रहा था, वही मनुष्य इनके न रहने से मृत क्यों घोषित कर दिया गया जबकि वह सशरीर हमारे सामने पड़ा हुआ है? आमतौर पर एक डॉक्टर बोलेगा कि इस शरीर में प्राण नहीं हैं। शास्त्रीय भाषा में, जब तक मानव शरीर में आत्मा रहती है, उसमें चेतनता रहती है। उसमें इच्छा, क्रिया व अनुभूति रहती है। आत्मा के चले जाने से वही मानव शरीर इच्छा, क्रिया व अनुभूति रहित हो जाता है, जिसे आमतौर पर मृत कहा जाता है।

शास्त्रों के अनुसार स्वरूप से आत्मा सच्चिदानन्दमय होती है। सच्चिदानन्द अर्थात सत्+चित्+आनंद। संस्कृत में सत् का अर्थ होता है नित्य जीवन अर्थात् वह जीवन जिसमें मृत्यु नहीं है, चित् का अर्थ होता है ज्ञान जिसमें कुछ भी अज्ञान नहीं है और आनंद का अर्थ होता है नित्य सुख जिसमें दु:ख का आभास मात्र नहीं है। यही कारण है कि कोई मनुष्य मरना नहीं चाहता, कोई मूर्ख नहीं कहलवाना चाहता और कोई भी किसी भी प्रकार का दु:ख नहीं चाहता।

अब नित्य जीवन, नित्य आनंद, नित्य ज्ञान कहां से मिलेगा? जैसे सोना पाने के लिए सुनार के पास जाना पड़ता है, लोहा पाने के लिए लोहार के पास, इसी प्रकार नित्य जीवन-ज्ञान-आनंद पाने के लिए भगवान के पास जाना पड़ेगा क्योंकि एकमात्र वही हैं जिनके पास ये तीनों वस्तुएं असीम मात्रा में हैं। प्रश्न हो सकता है कि बताओ भगवान मिलेंगे कहां? ये भी एक बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न है। कोई कहता है भगवान कण-कण में हैं, कोई कहता है कि भगवान मंदिर में हैं, कोई कहता है कि भगवान तो हृदय में हैं, कोई कहता है कि भगवान तो पर्वत की गुफा में, नदी में, प्रकृति में वगैरह।

वैसे जिस व्यक्ति के बारे में पता करना हो कि वह कहां रहता है, अगर वह स्वयं ही अपना पता बताए तो उससे बेहतर उत्तर कोई नहीं हो सकता। उक्त प्रश्न के उत्तर में भगवान कहते हैं कि मैं वहीं रहता हूं, जहां मेरा शुद्ध भक्त होता है। चूंकि हम सब के मूल में जो तीन इच्छाएं- नित्य जीवन, नित्य ज्ञान व नित्य आनंद हैं, वे केवल भगवान ही पूरी कर सकते हैं, कोई और नहीं। इसलिए हमें उन तक पहुंचने की चेष्टा तो करनी ही चाहिए।भगवान स्वयं बता रहे हैं कि वह अपने शुद्ध भक्त के पास रहते हैं। अत: हमें ज्यादा नहीं सोचना चाहिए और तुरंत ऐसे भक्त की खोज करनी चाहिए जिसके पास जाने से, जिसकी बात मानने से हमें भगवद्प्राप्ति का मार्ग मिल जाए। साथ ही हमें यह सावधानी भी बरतनी चाहिए कि कहीं वह भगवद्-भक्त के वेश में ढोंगी न हो। स्कंद पुराण के अनुसार भगवान शिव माता पार्वती से कहते हैं कि कलियुग में ऐसे गुरु बहुत मिलेंगे जो शिष्य का सब कुछ हर लेते हैं, परंतु शिष्य का संताप हर कर उसे सद्मार्ग पर ले आए ऐसा गुरु विरला ही मिलेगा।

हर समय महसूस होती है उदासी तो आजमाएं ये अचूक वास्तु टिप्स, बढ़ेगी पॉजिटिविटी

कई बार बाहर आते-जाते समय या फिर सबसे साथ होते हुए हमें ऐसा महसूस होता है, जैसे हम अकेले और बेबस हैं। कई बार बिना कारण रोने का मन करता है। ऐसे में अगर आप भी हर समय उदासी महसूस करते हैं, तो आप कुछ आसान वास्तु उपाय आजमाकर इस निगेटिविटी को दूर कर सकते हैं।

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में अक्सर लोगों को बिना किसी खास कारण के बेचैनी, उदासी और तनाव महसूस होने लगता है। यह कई बार हमारे आसपास मौजूद निगेटिव एनर्जी की वजह से होता है। जिसको वास्तु शास्त्र में 'वास्तु दोष' कहा जाता है। वास्तु के मुताबिक हमारे घर की बनावट, रंगों का चुनाव और वस्तुओं की दिशा सीधे तौर पर हमारी मानसिक शांति और भावनाओं को प्रभावित करने का काम करता है।

कई बार बाहर आते-जाते समय या फिर सबसे साथ होते हुए हमें ऐसा महसूस होता है, जैसे हम अकेले और बेबस हैं। कई बार बिना कारण रोने का मन करता है। ऐसे में अगर आप भी हर समय उदासी महसूस करते हैं, तो आप कुछ आसान वास्तु उपाय आजमाकर इस निगेटिविटी को दूर कर सकते हैं।

ऐसे दूर करें हर समय की उदासी

घर की दीवारों पर नीरस और गहरे

रंग जैसे काला और भूरे रंग की बजाय हल्के और शांतिपूर्ण रंग जैसे हल्का हरा, हल्का नीला, पीला या क्रीम करवाएं। इन रंगों को सिर्फ अपने घर की दीवारों तक ही सीमित न रखें, बल्कि आप खुद भी इस तरह के रंगों के कपड़े अधिक से अधिक पहनें।

शुरूआत में हो सकता है कि आपको लगे कि यह कौन सा तरीका हुआ उदासी को दूर करने का। लेकिन यकीन मानिए कि आपको धीरे-धीरे बदलाव खुद महसूस होने लगेगा। इन चीजों को शुभ प्रभाव आप पर पड़ रहा है और आप सकारात्मकता की तरफ बढ़ रहे हैं।

हर समय की उदासी को मिटाने के लिए घर के खिड़की-दरवाजों को नियमित रूप से खोलें। जिससे कि ताजी हवा और प्राकृतिक रोशनी अंदर आ सके। सूर्य की रोशनी पॉजिटिव एनर्जी का सबसे बड़ा स्त्रोत है। वहीं अंधेरा उदासी और नकारात्मकता को बढ़ाता है।

वहीं शाम के समय पूरे घर में सुगंधित धूप या अगरबत्ती जलाएं। या फिर चंदन या लैवेंडर की खुशबू का उपयोग करें। इससे घर का वातावरण भी शुद्ध होता है और मन को शांति मिलती है। सोते समय हमेशा अपना सिर पूर्व या दक्षिण दिशा की ओर रखें।

वास्तु शास्त्र के मुताबिक उत्तर दिशा में सिर करके सोने से नींद की समस्याएं और तनाव बढ़ सकता है। अपने बेडरूम में इस बात का ध्यान रखें कि सोते समय शीशे में आपका प्रतिबिंब न दिखें। अगर शीशा ऐसी जगह पर है, तो रात में इसको पर्दे से ढक दें।

बेडरूम में आमने-सामने दो शीशें लगाने से भी तनाव बढ़ता है। वहीं अगर बिस्तर के ठीक ऊपर कोई बीम है, तो वहां से बिस्तर हटा लें। या फिर बीम को फॉल्स सीलिंग से ढक लें। बीम के नीचे सोने से मानसिक दबाव बढ़ता है।

इसके अलावा घर में कहीं भी धूल, कचरा या मकड़ी के जाले न जमने दें। खासकर घर के कोनों में अच्छे से सफाई करें। घर की गंदगी निगेटिविटी और मानसिक बोझ को बढ़ाता है। घर से टूटी हुई या दरार आई हुई चीजों को हटा दें। टूटी या दरार आई हुई चीजें नकारात्मकता लाती हैं, जोकि रिश्ते में तनाव व कलह का कारण बनती हैं। घर के पूर्व-उत्तर कोने को हमेशा साफ, हल्का और खाली रखें। क्योंकि यह दिशा शांति और मानसिक स्पष्टता से जुड़ी है। इसलिए इस दिशा में भारी सामान रखने से बचना चाहिए।

मानसिक तनाव को कम करने के लिए घर के ईशान कोण में किसी बड़े पात्र में साफ जल भरकर रखें। या फिर इस जगह एक छोटा सा पानी का फाउंटेन लगाएं।

एकादशी के दिन तुलसी तोड़ना चाहिए या नहीं?

अक्सर लोगों के मन में यह प्रश्न उठता है कि क्या एकादशी के दिन तुलसी जी को स्पर्श करना या उन्हें जल अर्पित करना शुभ होता है या अशुभ। इस विषय को लेकर कई तरह की मान्यताएं प्रचलित हैं, जिनके कारण लोग भ्रम में पड़ जाते हैं। आइए आपको बताते हैं प्रेमानंद महाराज ने इस पर क्या बताया है। हिंदू धर्म में तुलसी पौधा को पूजनीय माना गया है। हर घर में तुलसी मां की पूजा जरुर की जाती है। तुलसी का पौधा आध्यात्मिक और धार्मिक दृष्टि से पूजनीय है। माता लक्ष्मी का स्वरुप है तुलसी जी। तुलसी की पूजा करने बेहद पुण्यदायक माना जाता है। सनातन धर्म में पूजा पाठ को लेकर कई नियम बताएं है। ऐसे में मां तुलसी की पूजा करने के कुछ जरुरी नियम है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, कई घरों में एकादशी के दिन तुलसी की पत्तियां नहीं तोड़ी जाती है। इसके अलावा तुलसी के पौधे को जल देना शुभ नहीं होता है। आपके मन में भी अक्सर सवाल जरुर आता होगा कि एकादशी के दिन तुलसी जी को स्पर्श करना या जल चढ़ाना शुभ माना जाता है या अशुभ।

तुलसी की पूजा क्यों जरुरी है?

तुलसी जी की पूजा, दर्शन और सेवा करने से सभी प्रकार के पापों का नाश होता है। तुलसी की मंजरी को भगवान के चरणों में अर्पित करने वाला व्यक्ति, चाहे वह कितना भी दोषयुक्त क्यों न हो, यमपुरी का भय कभी महसूस नहीं करता। घर में तुलसी का पौधा लगाने से श्राद्ध कर्म करने जितना कल्याण होता है और पितर भी तृप्त होते हैं।

लिव-इन में रह रहे प्राइवेट स्कूल संचालक की मौत

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा श्रीगंगानगर

श्रीगंगानगर में किराए के मकान में युवती संग लिव इन में रह रहे प्राइवेट स्कूल संचालक की मौत हो गई। वह अपने गांव से खाना खा कर किराए के रूम पर लौटा था। देर रात उसकी तबीयत बिगड़ी और उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। 10 दिन पहले उसके पिता कोनी ग्राम पंचायत सरपंच हरिराम की लंबी बीमारी से मौत हो गई थी। मामला जिले के कोतवाली थाना इलाके के सेतिया कॉलोनी का रविवार सुबह का है। कोतवाली थाना सीआई पृथ्वी पाल ने बताया- युवक की पहचान भजनलाल (29) निवासी 5P कोनी, श्रीगंगानगर के रूप में हुई है। मामले में भजनलाल के दूर के रिश्ते में लगने वाले भतीजे वीरू ने मर्ग दर्ज करवाई है। हमने अस्पताल में युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत की सूचना मिली थी। यहां पहुंचकर जानकारी जुटाई। इसके बाद शव का पोस्टमॉर्टम करवा कर परिजनों को सौंप दिया। मौत के कारणों का पता पोस्टमॉर्टम की रिपोर्ट आने के बाद पता चलेगा। फिलहाल कोई स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है। परिजनों ने बताया- भजनलाल पीछे 4-5 साल से एक युवती के साथ रिलेशन में था और दोनों श्रीगंगानगर की सेतिया कॉलोनी में किराए के मकान में साथ रहते थे। भजनलाल शादीशुदा नहीं था और कोनी गांव में ही एक प्राइवेट स्कूल भी चलाता है। शनिवार रात करीब 9 बजे वह अपने गांव 5P कोनी से खाना खाकर श्रीगंगानगर लौटा था। देर रात सूचना मिली कि उसकी तबीयत बिगड़ गई है। सूचना पर अस्पताल पहुंचे तो पता चला कि भजनलाल की मौत हो गई है। भजनलाल के पिता हरिराम गांव के सरपंच थे। वह घर का इकलौता बेटा था।

जिला बहाली की मांग को लेकर सालभर बाद भी नीमकाथाना में आक्रोश

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नीमकाथाना

नीमकाथाना जिला और सीकर संभाग बहाली की मांग को लेकर नीमकाथाना बंद है. बार संघ और युवा शक्ति के आह्वान पर बंद का आह्वान किया गया था. आज नीमकाथाना जिला और संभाग हटाने जाने का आज 1 साल पूरा हो गया. इसी मौके पर विरोध-प्रदर्शन भी किया गया. कस्बे के खेतड़ी मोड़ पर नारेबाजी कर धरना देकर विरोध जताया गया. इस मौके पर प्रदर्शनकारियों ने मांग की है कि नीमकाथाना को जिला और सीकर को फिर से संभाग का दर्जा दिया जाए. मांगों के संबंध में अतिरिक्त जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा जाएगा. इस आंदोलन को स्थानीय स्तर पर काफी समर्थन मिल रहा है. व्यापारी, आम वर्ग से लेकर वकील भी सड़कों पर उतरे. बार संघ के पदाधिकारियों का कहना है कि भाजपा सरकार ने नीमकाथाना और सीकर के लोगों के साथ कुठाराघात किया था. आज ही के दिन राज्य सरकार ने नीमकाथाना जिला और सीकर संभाग को हटाया था. इसी के चलते स्थानीय लोगों द्वारा काले दिवस के रूप में मनाया जा रहा है. उन्होंने बताया कि जब तक मांगे पूरी नहीं होगी, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा. बार संघ और युवा शक्ति के के आह्वान पर व्यापार महासंघ सब्जी मंडी, कपिल मंडी, थड़ी यूनियन, सुभाष मंडी समेत अनेक संगठन के पदाधिकारी ने बंद का समर्थन किया है. राजस्थान सरकार ने दूदू, केकड़ी, शाहपुरा, नीमकाथाना, गंगापुरसिटी, जयपुर ग्रामीण, जोधपुर ग्रामीण, अनूपगढ़ और सांचौर जिले को निरस्त करने का फैसला लिया था. जबकि तीन संभाग पाली, सीकर और बांसवाड़ा को भी खत्म कर दिया था. करीब सालभर से ही अब सीकर संभाग और नीमकाथाना जिला को वापस बनाने को लेकर संघर्ष चल रहा है.

विवाहिता की संदिग्ध मौत, परिजनों ने ससुराल पक्ष पर जहर देकर हत्या का लगाया आरोप

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा भरतपुर

भरतपुर के कुम्हेर थाना क्षेत्र के गांव पिचूमर में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना मिलते ही कुम्हेर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को जिला आरबीएम अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। मृतका की पहचान कविता के रूप में हुई है। मृतका के परिजनों ने ससुराल पक्ष पर जहर देकर हत्या करने का गंभीर आरोप लगाया है। परिजनों का कहना है कि कविता को ससुराल में लंबे समय से प्रताड़ित किया जा रहा था। मृतका के पिता ने बताया कि करीब दस वर्ष पूर्व उन्होंने अपनी बेटी कविता की शादी लालचंद से तथा बड़ी बेटी ममता की शादी बिजेंद्र से कराई थी। शादी के बाद से ही कविता के ससुराल पक्ष द्वारा उसे लगातार मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता रहा। परिजनों के अनुसार, इस बार ससुराल वालों ने कविता के साथ बेरहमी से मारपीट की और बाद में उसे जहर दे दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। आरोप है कि घटना के दौरान कविता की बड़ी बहन ममता के साथ भी मारपीट की गई। ममता गंभीर अवस्था में कविता को अस्पताल लेकर पहुंची, लेकिन तब तक उसकी मृत्यु हो चुकी थी। घटना के बाद जिला अस्पताल की मोर्चरी पर दोनों पक्षों के बीच कई बार तनाव और तनातनी की स्थिति बनी रही। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। कुम्हेर थाना पुलिस का कहना है कि परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कांग्रेसियों ने पीएम मोदी के फाड़े पोस्टर, डाक बंगले का ताला तोड़ने का प्रयास, भड़के किरोड़ी लाल मीणा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा दौसा

कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने कांग्रेस के अरावली प्रदर्शन में सचिन पायलट के बेटे को लेकर आने पर समर्थन किया है। कहा- नेहरू भी इंदिराजी को साथ लेकर घूमते थे, वो PM बन गई। अगर सचिन ले आए तो लोकतंत्र में इसमें कोई बुराई नहीं है। डॉ. किरोड़ी ने अरावली मुद्दे पर कहा- केंद्र सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि किसी प्रकार की माइनिंग नहीं होगी। जबकि कांग्रेस ने लीज दे-देकर अरावली को खोखला कर दिया और अब आंदोलन कर रहे हैं। उन्होंने सांसद मुरारीलाल मीणा पर भी सियासी बयान दिया। कहा- यहां के सांसद ने तो अरावली को खोदकर मकान बना लिया। दूसरे पर आरोप लगाने से पहले खुद की ओर देखना चाहिए। कांग्रेस के राज में अरावली जितनी बर्बाद हुई, उतनी पहले कभी नहीं हुई। हमारी सरकार में सेंचुरी और वन खूब विकसित हुए हैं, साथ ही पर्यावरण को उच्च प्राथमिकता देते हुए प्रदेश में विकास करा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने भी अरावली के संरक्षण को लेकर बयान दिया है। डॉ. किरोड़ी रविवार को दौसा डाक बंगले में पीएम के मन की बात सुनने शामिल हुए थे। इसके बाद उन्होंने मीडिया के सवालों के जवाब दिए। वहीं कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा

शनिवार को डाक बंगले के हॉल का ताला तोड़ने के प्रयास के सवाल पर कहा- ग्लोबल लीडर नरेन्द्र मोदी के चित्र फाड़ने से वो भागीरथ नहीं बन सकते। डाक बंगले के हॉल में केन्द्र सरकार की योजनाओं के फ्लैक्स लगे हुए हैं, उन्हें फाड़ने के उद्देश्य से गेट को ठोकरें मारना लोकतंत्र में यह परम्परा ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि डाक बंगले में 5 साल मुरारीलाल मीणा रहे हैं, हमने तो कभी ऐसी हरकत नहीं की। उनकी यह हरकत किसी भी तरह बर्दाश्त नहीं की जा सकती। साथ ही दौसा विधायक को लेकर मंत्री ने कहा कि उपचुनाव में विधायक बन गए तो इसका मतलब यह नहीं कि देश के प्रधानमंत्री को अपमानित करें। उन्होंने कहा कि अस्पताल के ट्रोमा सेंटर के उद्घाटन के वक्त मैंने भरोसा दिलाया था कि कोई काम हो तो मुझे बताएं। यहां की कोई बात थी तो मुझे बताते मैं पार्टी कार्यकर्ताओं को कहता। लेकिन ऐसा ईष्या भाव से किया गया कृत्य है, यह समाज की दूरियां बढ़ाता है। हम चाहते हैं सामाजिक समरसता बढ़नी चाहिए, लेकिन दोनों नेताओं (सांसद-विधायक) ने दूरियां बढाने का काम किया है। इसकी निंदा करता हूं और चेतावनी देता हूं कि आगे से ऐसा कृत्य किया तो नहले का जवाब दहले से दिया जाएगा। डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने कहा- भाजपा एक नेशनल पार्टी ही नहीं, विश्व का सबसे बड़ा संगठन है। मेरे बारे में लोग कुछ भी कह सकते हैं, लेकिन मेरे भाई को इन चीजों से कोई लेना-देना नहीं है। यह सार्वजनिक स्थान है और चुनाव हारने के बाद भी वह जनता की सुनवाई कर रहे हैं। वो लोग (कांग्रेस) तो चुनाव हारने के बाद कहीं दिखते ही नहीं हैं। ऐसे में यदि चुनाव हारने के बाद भी सरकार का व्यक्ति जनसुनवाई कर रहा है तो सांसद मुरारीलाल मीणा और विधायक डीसी बैरवा को परहेज नहीं होना चाहिए। वहीं अरावली मुद्दे पर पिछले दिनों जयपुर में कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन में पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट के बेटे के शामिल होने के सवाल पर कहा- इसे प्रोजेक्ट करना नहीं कहा जाता। यदि मैं मेरी भतीजे को साथ लेकर आउं, वो अपने बेटे को लेकर आए तो प्रोजेक्ट करना नहीं कहा जा सकता। फिर यदि उनका ऐसा मंतव्य है तो लोकतंत्र में बुराई वाल बात भी नहीं है। उन्होंने कहा कि पंडित जवाहर लाल नेहरू, इंदिराजी को साथ लेकर घूमते थे तो पीएम बन गई। इंदिराजी राजीव और संजय गांधी को प्राथमिकता देती थी तो पायलट भी राजनैतिक माहौल बताने के लिए बेटे को लेकर आए होंगे। मैं राजेश पायलट के सामने चुनाव लड़ा तो उस वक्त सचिन पायलट भी चुनाव में आए थे। इसमें कोई बुरी बात नहीं है। कृषि मंत्री ने कांग्रेस के स्थापना दिवस के सवाल पर कहा कि देश में कांग्रेस ने काफी लंबे समय तक राज किया है, लेकिन भ्रष्टाचार के दलदल में फंसी तो जनता ने नकार दिया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी विदेशों में जाकर देश विरोध बयान देकर राष्ट्र का अपमान कर रहे हैं। इससे साफ है कि कांग्रेस का नेतृत्व अनुभवहीन और दिशाहीन है। उन्होंने कहा कि हमारे लिए ??राष्ट्र सर्वोपरि है। बीते दो साल में भजनलाल सरकार ने बेहतरीन काम किए हैं। ईआरसीपी के तहत नवनेरा बांध बनकर तैयार हो गया है और पाइप लाइन भी डल चुकी है। कई कार्यों के नए टेंडर भी हुए हैं।

मेरे भाई को पुलिस ने पीट-पीटकर मार डाला: युवक बोला- कार्रवाई नहीं हुई तो सुसाइड कर लूंगा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा कोटा/झालावाड़

मेरे भाई ने किसी से लड़ाई नहीं की थी, फिर भी पुलिस वाले उसको उठाकर ले गए। बाद में मैंने पता किया तो पता चला कि पुलिस वाले मेरे भाई को मारपीट कर हॉस्पिटल में फेंक गए हैं। उन पुलिस वालों पर अगर कार्रवाई नहीं हुई तो मैं अस्पताल में ही सुसाइड कर लूंगा। दो पुलिस वालों को मैं जानता हूं।' यह कहना है झालावाड़ के कच्ची बस्ती निवासी रवि का, 18 दिसंबर को उसके छोटे भाई अनिल की पुलिस हिरासत में टांग टूट गई थी। रविवार को कोटा में इलाज के दौरान अनिल ने दम तोड़ दिया। परिवार का आरोप है कि पुलिस ने बेरहमी से पीट-पीटकर अनिल का पैर तोड़ दिया, जिसके कारण उसकी जान चली गई। परिवार ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। वहीं, झालावाड़ पुलिस आरोपों को सिरे से खारिज कर रही है। पुलिस का दावा है कि अनिल गिरफ्तारी से बचने के लिए भाग रहा था और इसी दौरान फिसलकर गिरने से उसके पैर में चोट आई थी। अनिल (20) के बड़े भाई रवि ने बताया कि करीब 10 दिन पहले कोतवाली थाना पुलिस अनिल को घर (कच्ची बस्ती जेल रोड) से पकड़कर ले गई थी। चाकूबाजी के एक झूठे मामले में फंसाकर पुलिस ने बेरहमी से पीटा, जिससे उसकी एक टांग टूट गई। उसे गंभीर अवस्था में झालावाड़ जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से हालत बिगड़ने पर कोटा के मेडिकल कॉलेज

अस्पताल रेफर कर दिया गया। रविवार को इलाज के दौरान अनिल की मौत हो गई। रवि ने बताया- मेरा भाई मजदूरी करता था। 5 से 6 पुलिस वालों ने उसके साथ मारपीट की, उन सभी पुलिस वालों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। कॉलोनी में झगड़ा हुआ था। किसी दूसरे युवक ने चाकू मारे थे, लेकिन सामने वाले ने मेरे भाई के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवा दी। जबकि चाकू मारने के मुख्य आरोपी ने खुद मना किया था कि अनिल ने चाकू नहीं मारे, इसके बावजूद भी पुलिस ने गलत कार्रवाई की और आज उसकी मौत हो गई। अनिल की मां ने बताया कि कई पुलिसकर्मी घर पहुंचे, दरवाजा खुलवाया और उनके छोटे बेटे अनिल को अपने साथ ले गए। जब परिजन थाने पहुंचे तो पुलिस ने अनिल के वहां होने से इनकार कर दिया। बाद में उन्हें पता चला कि अनिल के साथ मारपीट हुई है और उसकी टांग तोड़ दी गई है। मां का कहना है कि अनिल का नाम सिर्फ एक मामूली झगड़े में दर्ज किया गया था, लेकिन इसके बावजूद उसके साथ अमानवीय व्यवहार किया गया।

धौलपुर में नाबालिग को न्याय दिलाने पर कुशवाहा समाज बंटा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा धौलपुर

नाबालिग को न्याय दिलाने के मुद्दे पर कुशवाहा समाज 2 गुटों में बंट गया है। इसी मामले को लेकर समाज के दोनों गुटों ने अलग-अलग बैठकें आयोजित कीं। एक बैठक कुशवाहा छात्रावास में हुई, जबकि दूसरी बैठक विधायक के फैक्ट्री परिसर में आयोजित की गई। दोनों बैठकों का मुख्य मुद्दा बीते दिनों नाबालिग के साथ हुए दुष्कर्म मामले में आरोपी की अब तक गिरफ्तारी न होना रहा। बैठकों में वक्ताओं ने प्रशासन की कार्रवाई पर गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने पीड़िता को शीघ्र न्याय दिलाने की मांग की। समाज के नेताओं ने चेतावनी दी है कि यदि आरोपी की जल्द गिरफ्तारी नहीं होती है, तो आंदोलन तेज किया जाएगा। आने वाले दिनों में धरना-प्रदर्शन और बड़े आंदोलन की रणनीति पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

सीकर में लेपर्ड का हमला, 2 ग्रामीण घायल: गधे का शिकार कर सरसों के खेत में छिपा, रेस्क्यू के लिए पहुंचा वन विभाग

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा लक्ष्मणगढ़

सीकर के लक्ष्मणगढ़ के बनाई गांव में लेपर्ड ने दो लोगों पर हमला कर दिया। हमले में एक व्यक्ति के पैर तो दूसरे के हाथ में चोट लगी है।ग्रामीणों के अनुसार लेपर्ड सरसों के खेत में छिपा है। लेपर्ड की मौजूदगी की सूचना मिलने पर लक्ष्मणगढ़ वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की सहायता से खेत को चारों ओर से घेर लिया। इससे पहले लेपर्ड ने गांव के एक जोहड़े में गधे का शिकार भी किया है। साथ ही भागीरथ और मुकनाराम पर हमला कर दिया। भागीरथ के हाथ और मुकनाराम के पैर में चोट लगी है। जिला अस्पताल में इलाज के बाद दोनों को छुट्टी दे दी गई है। क्षेत्र में लेपर्ड की पहली गतिविधि 21 दिसंबर को नेछवा क्षेत्र की चारणों की ढाणी में दर्ज की गई थी। उस समय वन विभाग और ग्रामीणों ने लेपर्ड को सरसों के खेत में घेर लिया था। जयपुर वन विभाग को भी सूचित किया गया, लेकिन रात होने के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन नहीं हो सका और सुबह होने से पहले लेपर्ड वहां से निकल गया। इसके बाद वन विभाग की टीम ने

लेपर्ड के पगमार्क के आधार पर कई गांवों में उसकी तलाश की, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। अगले दिन शाम को जयपुर से आई टीम वापस लौट गई, जबकि सीकर वन विभाग की टीम लगातार लेपर्ड की गतिविधियों पर नजर रख रही थी। बुधवार शाम को फतेहपुर उपखंड के जेठवा का बास में भी लेपर्ड की गतिविधि देखी गई थी। वन विभाग ने वहां पिंजरा और जाल लगाए, लेकिन लेपर्ड वहां से भी निकल गया। इसके बाद गुरुवार को लक्ष्मणगढ़ के बनाई गांव में लेपर्ड की मौजूदगी सामने आई। वन विभाग की टीम लेपर्ड को पकड़ने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। अधिकारियों ने ग्रामीणों से सतर्क रहने, रात के समय घरों से बाहर न निकलने और बच्चों को अकेला न छोड़ने की अपील की है। ग्रामीणों का मानना है कि क्षेत्र में एक ही लेपर्ड लगातार अलग-अलग गांवों में घूम रहा है।

राजस्थान में कड़ाके की ठंड, करौली में पारा 3.1 डिग्री तक गिरा

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा जयपुर

राजस्थान में सर्दी का असर तेज हो गया है। उत्तर भारत से आ रही बर्फीली हवाओं के कारण शनिवार को प्रदेश के कई जिलों में तापमान तेजी से गिरा। करौली में न्यूनतम तापमान 3.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो राज्य में सबसे कम रहा। पाली में भी पारा 3.4 डिग्री तक पहुंच गया। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर ने चूरू, सीकर, झुंझुनूं और अलवर में तेज शीतलहर की चेतावनी जारी की है। शेखावाटी और आसपास के इलाकों में ठंड का असर सबसे ज्यादा देखने को मिल रहा है। कई शहरों में सुबह के समय ओस की बूंदें जमने लगी हैं। सीकर में फसलों पर जमी ओस ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। बीते 24 घंटों में करौली, पाली, भीलवाड़ा, टोंक, कोटा, उदयपुर, बारां और प्रतापगढ़ में सीजन की सबसे सर्द रात दर्ज की गई। दौसा में न्यूनतम तापमान 4.7, बारां में 4.5, अलवर में 5.2, सीकर में 5, फतेहपुर में 5.4 और अजमेर में 7.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। ठंडी हवाओं के कारण दिन में भी गलन बनी रही। जयपुर में अधिकतम तापमान 24.1 डिग्री रहा, जबकि सभी शहरों में दिन का तापमान 30 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने अगले दो से चार दिन तक इसी तरह कड़ाके की ठंड बने रहने की संभावना जताई है।

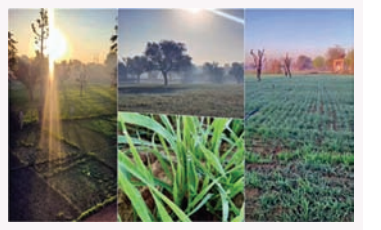

नियम नहीं माने तो धमकाया

नियम विरुद्ध एडमिशन नहीं करने पर कुलगुरु को धमकाया

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा अजमेर

अजमेर में महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय (एमडीएस) अजमेर के कुलगुरु प्रोफेसर सुरेश कुमार अग्रवाल को फोन कॉल और मैसेज के जरिए धमकाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि एक निजी कॉलेज संचालक के कहने पर नियमविरुद्ध प्रवेश कराने का दबाव बनाया गया और मना करने पर अभद्र व अपमानजनक भाषा का प्रयोग करते हुए धमकियां दी गईं। विश्वविद्यालय प्रशासन की रिपोर्ट पर सिविल लाइन थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार कैलाशचंद्र शर्मा की ओर से कुलगुरु के निजी सहायक स्वतंत्र

कुमार शर्मा ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि विश्वविद्यालय से संबद्ध अभिषेक महाविद्यालय, दतवास, निवाई (जिला टोंक) के निदेशक राजेश गुर्जर के कहने पर जयपुर के सांगानेर क्षेत्र स्थित बजरंग विहार, शिव मंदिर के पास रहने वाले दातारसिंह पुत्र छोटूसिंह ने कुलगुरु प्रोफेसर सुरेश कुमार अग्रवाल को फोन किया। आरोप है कि कॉलेज के कुछ छात्रों के प्रवेश विश्वविद्यालय द्वारा स्वीकृत नहीं किए जाने से नाराज दातारसिंह ने फोन पर कुलगुरु से अभद्र और अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया। इस पर कुलगुरु अग्रवाल ने स्पष्ट कहा कि विश्वविद्यालय में सभी कार्य नियमों और प्रक्रियाओं के अनुसार ही किए जाते हैं तथा किसी भी प्रकार का गैरकानूनी या नियमविरुद्ध प्रवेश संभव नहीं है। बताया गया कि इस बात पर आरोपी और अधिक उग्र हो गया और कुलगुरु को धमकियां देने लगा। जब कुलगुरु ने फोन काट दिया, तो आरोपी ने मैसेज के जरिए भी गाली-गलौच और धमकी दी। उसने 'ऊपर तक पहचान' होने का हवाला देकर दबाव बनाने की कोशिश की और राजकार्य में बाधा उत्पन्न की। मामले की गंभीरता को देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। शनिवार शाम को सिविल लाइन थाना पुलिस ने जयपुर निवासी आरोपी के खिलाफ राजकार्य में बाधा डालने, धमकी देने और अभद्र भाषा के प्रयोग से संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। मामले की जांच एसआई भीम सिंह को सौंपी गई है, जो कॉल डिटेल, मैसेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच कर रहे हैं। महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय अजमेर के अधीन अजमेर, भीलवाड़ा, टोंक, नागौर, ब्यावर, कुचामन और डीडवाना क्षेत्रों के सरकारी एवं निजी कॉलेज आते हैं। इन सभी कॉलेजों में किसी भी पाठ्यक्रम में प्रवेश की प्रक्रिया एमडीएस यूनिवर्सिटी द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार ही होती है।

नए साल की शुरूआत में नेवी को मिलेंगे दो वॉरशिप

समुद्र में दम दिखाएंगे तारागिरी और अंजदीप

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

नए साल की शुरूआत में इंडियन नेवी को दो नए वॉरशिप तारागिरी और अंजदीप मिल जाएंगे। तारागिरी नीलगिरी क्लास का फ्रिगेट और अंजदीप शैलो वॉटर क्राफ्ट है। ये दोनों ही वॉरशिप जनवरी में नेवी में कमिशन हो सकते हैं। तारागिरी नीलगिरी क्लास का चौथा फ्रिगेट होगा। नेवी को ऐसे 7 फ्रिगेट मिलने हैं। अंजदीप भी नेवी को मिलने वाला चौथा शैलो वॉटर क्राफ्ट होगा। नेवी को कुल 16 शैलो वॉटर क्राफ्ट मिलने हैं। तारागिरी फ्रिगेट लंबी दूरी तक मार करने वाली सर्फेस टू सर्फेस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस, स्वदेशी रॉकेट लॉन्चर, कॉम्बेट मैनेजमेंट सिस्टम और फायर कंट्रोल सिस्टम जैसी अत्याधुनिक और बेहद जरूरी प्रणालियों से लैस होगा। नीलगिरी क्लास के स्टेल्थ फ्रिगेट को प्रोजेक्ट 17 के तहत बनाया गया है और ये नेवी के सबसे आधुनिक वॉरशिप हैं। प्रोजेक्ट 17 नेवी की शिपबिल्डिंग रोडमैप का अहम हिस्सा है। नीलगिरी क्लास के वॉरशिप शिवालिक क्लास फ्रिगेट्स (प्रोजेक्ट 17) की सफल परंपरा पर आधारित है। लेकिन इसमें आक्रामक क्षमता, स्टेल्थ तकनीक, ऑटोमेशन, सरवाइविलिटी (जीवित रहने की क्षमता) और मॉड्यूलर निर्माण तकनीकों में बड़े सुधार किए गए हैं। 6670 टन वजन वाले नीलगिरि क्लास फ्रिगेट्स आधुनिकतम हथियारों, सेंसर और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम से लैस हैं। इनमें ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, MF-STAR सर्विलांस रडार, बराक-8 सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल सिस्टम और अत्याधुनिक एंटी सबरमीन क्षमता शामिल है। इनका नया डिजाइन रडार, इंफ्रारेड, ध्वनि और मेगनेटिक सिग्नेचर्स को कम करता है जिससे ये और अधिक स्टेल्थ हो जाते हैं और इन्हें पकड़ना मुश्किल हो जाता है। इंडियन नेवी को कुल 16 शैलो वॉटर क्राफ्ट मिलने हैं। जिसमें तीन नेवी में शामिल हो गए हैं। जनवरी में एक और एंटी सबमरीन वॉरफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट अंजदीप नेवी में शामिल हो जाएगा। ये सबमरीन निगरानी, खोज और बचाव मिशन और निम्न-तीव्रता वाले समुद्री अभियानों को अंजाम दे सकता है। समंदर में कम इंटेसिटी के ऑपरेशन में भी यह शिप मददगार होंगे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आईएनएस वाघशीर में सवार होकर यात्रा की

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को पश्चिमी तट पर भारतीय नौसेना की अग्रिम पंक्ति की पनडुब्बी आईएनएस वाघशीर पर सवार होकर समुद्री यात्रा कीं। द्रौपदी मुर्मू पनडुब्बी पर सवार होकर यात्रा करने वाली देश की दूसरी राष्ट्रपति हैं। इससे पहले फरवरी 2006 में तत्कालीन राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम ने भारतीय नौसेना की पनडुब्बी से समुद्री यात्रा की थी। अधिकारियों ने बताया कि कर्नाटक के कारवार नौसैनिक अड्डे से कलवरी श्रेणी की पनडुब्बी पर राष्ट्रपति मुर्मू के सवार होने के दौरान नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी भी उनके साथ मौजूद थे। राष्ट्रपति सचिवालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, "राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कारवार नौसेना अड्डे पर भारतीय नौसेना की स्वदेशी कलवरी श्रेणी की पनडुब्बी आईएनएस वाघशीर में सवार हुईं।" पोस्ट के साथ तस्वीरें भी साझा की गई हैं जिनमें राष्ट्रपति नौसेना की वर्दी पहनकर पनडुब्बी में प्रवेश करती और उससे पहले पहले नौसेनाकर्मियों का हाथ हिलाकर अभिवादन स्वीकार करती नजर आ रही हैं। पी75 स्कॉर्पीन परियोजना की छठी और अंतिम पनडुब्बी, आईएनएस वाघशीर को इस साल जनवरी में नौसेना में शामिल किया गया था। नौसेना अधिकारियों के मुताबिक यह दुनिया की सबसे शांत और बहु उद्देशीय डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बियों में से एक है। इसे कई तरह के मिशन को अंजाम देने के लिए तैयार किया गया है, जिनमें सतह पर मौजूद दुश्मन से लड़ाई, पनडुब्बी रोधी अभियान, खुफिया जानकारी जुटाना, क्षेत्र की निगरानी और विशेष अभियान शामिल हैं। यह 'वायर-गाइडेड टॉरपीडो', पोत रोधी मिसाइलों और उन्नत सोनार प्रणालियों से लैस है। यह पनडुब्बी मॉड्यूलर निर्माण तकनीक पर आधारित है जिससे भविष्य में इसे एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन (एआईपी) तकनीक जैसी प्रौद्योगिकियों से एकीकृत करने की सहूलियत मिलती है। भारतीय नौसेना हिंद महासागर क्षेत्र में भारत के दीर्घकालिक सुरक्षा हितों को ध्यान में रखते हुए कारवार नौसेना अड्डे को विकसित कर रही है। नए साल की शुरूआत में इंडियन नेवी को दो नए वॉरशिप मिलेंगे। तारागिरी और अंजदीप। तारागिरी नीलगिरी क्लास का फ्रिगेट और अंजदीप शैलो वॉटर क्राफ्ट है। ये दोनों ही वॉरशिप जनवरी में नेवी में कमिशन हो सकते हैं।

उत्तर भारत में घने कोहरा का असर

ट्रेन और फ्लाइट की सेवाएं बुरी तरह प्रभावित, यात्रियों को बढ़ी मुश्किलें

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

उत्तर भारत के कई शहरों में एक बार फिर घने कोहरे और खराब मौसम ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। खासकर इसका ज्यादा बड़ा प्रभाव यातायात सेवा पर पड़ रहा है। कम दिखाई देने की वजह से रेल और हवाई यातायात दोनों बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। कई ट्रेनें अपने तय समय से घंटों देरी से चल रही हैं, जबकि कुछ के रास्ते बदल दिए गए हैं। वहीं, दिल्ली समेत कई शहरों में फ्लाइट्स भी देर से उड़ान भर रही हैं या रद्द होने की आशंका है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, उत्तर भारत में घने कोहरे के कारण अब तक चार दर्जन से ज्यादा ट्रेनें अपने निर्धारित समय से देरी से चल रही हैं। कोहरे के चलते ट्रेनों की रफ्तार कम रखी जा रही है, जिससे यात्रियों को काफी परेशानी हो रही है। बता दें कि घने कोहरे के चलते प्रमुख ट्रेनों में प्रयागराज एक्सप्रेस करीब 5 घंटे, रीवा-आनंद विहार एक्सप्रेस लगभग 9 घंटे, नई दिल्ली तेजस राजधानी एक्सप्रेस 4 घंटे, ब्रह्मपुत्र मेल लगभग 45 मिनट, जबकि महाबोधि और संपर्ण क्रांति एक्सप्रेस 4 से 5 घंटे लेट हैं। इसके अलावा कई मेल और एक्सप्रेस ट्रेनें भी घंटों देरी से अपने गंतव्य पर पहुंच रही हैं। इतना ही नहीं खराब मौसम का असर हवाई यातायात पर भी साफ दिख रहा है। स्पाइसजेट, एअर इंडिया और इंडिगो जैसी एयरलाइंस ने यात्रियों के लिए ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है। दिल्ली एयरपोर्ट प्रशासन ने भी चेतावनी दी है कि कम विजिबिलिटी के कारण उड़ानों के समय में बदलाव हो सकता है। दिल्ली एयरपोर्ट पर इस समय दस से ज्यादा फ्लाइट्स देरी से संचालित हो रही हैं। इससे जुड़ी कनेक्टिंग फ्लाइट्स पर भी असर पड़ सकता है। हालांकि एयरलाइंस और रेलवे दोनों ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा पर निकलने से पहले फ्लाइट और ट्रेन का स्टेटस जरूर जांच लें।

दिग्विजय सिंह के बयान पर बंटी कांग्रेस! पवन खेड़ा ने किया 'गोडसे' का जिक्र, थरूर का मिला समर्थन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह की ओर से आरएसएस और भाजपा की तारीफ किए जाने के मामले ने पार्टी के लिए मुश्किलें बढ़ा दी हैं। दिग्विजय सिंह ने अपने बयान पर सफाई देते हुए कहा है कि वह संघ की विचारधारा के घोर विरोधी हैं। हालांकि, उनके इस बयान पर कांग्रेस में ही कई नेताओं की राय बंटी हुई नजर आ रही है। दिग्विजय सिंह ने शनिवार को एक पोस्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के वरिष्ठ नेता एलके आडवाणी की तस्वीर साझा की थी। इसके साथ उन्होंने कहा था कि भाजपा-आरएसएस जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं को संगठन के भीतर मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री जैसे शीर्ष पदों तक पहुंचने का मौका देते हैं। गौरतलब है कि इस तस्वीर में पीएम मोदी जमीन पर बैठे हुए दिखाई दे रहे हैं।

'गोडसे का संगठन कांग्रेस को क्या सिखाएगा?' :पवन खेड़ा

आरएसएस पर तीखा प्रहार करते हुए कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने संघ को 1948 में महात्मा गांधी की हत्या करने वाले नाथूराम गोडसे से जोड़ा। पवन खेड़ा ने कहा, 'आरएसएस से सीखने को कुछ नहीं है। गोडसे के लिए कुख्यात संगठन गांधी के बनाए संगठन को क्या सिखा सकता है?'

मणिकम टैगौर ने अल-कायदा से की RSS की तुलना

कांग्रेस नेता मणिकम टैगौर ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, 'गोडसे के संगठन से नफरत के अलावा और कुछ सीखा नहीं जा सकता है। कांग्रेस 140 वर्ष की हो गई है, जो अभी भी युवा है और नफरत के खिलाफ लड़ती है।' न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत में टैगोर ने कहा, 'आरएसएस नफरत पर आधारित एक संगठन है और यह नफरत फैलाता है। नफरत से कुछ सीखने को नहीं मिलता। क्या आप अल-कायदा से कुछ सीख सकते हैं? अल-कायदा नफरत फैलाने वाला संगठन है। यह दूसरों से नफरत करता है। उस संगठन से क्या सीखा जा सकता है?'

शशि थरूर ने किया दिग्विजय सिंह का समर्थन

कांग्रेस नेता शशि थरूर ने दिग्विजय सिंह के बयान पर कहा, 'मैं भी चाहता हूं कि हमारा संगठन मजबूत हो। हमारे संगठन में अनुशासन होना चाहिए। दिग्विजय सिंह खुद इसका उदाहरण हैं।' इसके साथ ही शशि थरूर ने कहा, 'हमारी पार्टी का 140 साल का इतिहास है. हम इससे बहुत कुछ सीख सकते हैं। हम खुद से भी बहुत सी चीजें सीख सकते हैं। अनुशासन बहुत जरूरी चीज है।'

टीएस सिंह देव ने दिग्विजय के बयान पर कही ये बात

आरएसएस-भाजपा पर कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह के बयान को लेकर कांग्रेस नेता टीएस सिंह देव ने कहा, 'कांग्रेसी होने के नाते हम उस विचारधारा को नजरअंदाज करते हैं। हम बहस कर सकते हैं और एक-दूसरे की आलोचना करने का हमें पूरा अधिकार है। उन्होंने (भाजपा) सरकार चलाते समय हमारी सभी नीतियों का पालन किया है, आर्थिक नीति से लेकर सामाजिक समावेश और हर चीज तक। अंतर केवल विचारधारा में है, क्योंकि एक नफरत पर आधारित है, और दूसरी एकजुटता पर।'

हमें आरएसएस से कुछ सीखने की जरूरत नहीं' :सुप्रिया श्रीनेत

वहीं, पार्टी प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा, 'भाजपा उनके बयानों को तोड़-मरोड़कर पेश कर रही है। हमें आरएसएस से कुछ सीखने की जरूरत नहीं है। हमने ब्रिटिश राज और उसके अन्याय के खिलाफ स्वतंत्रता संग्राम लड़ा। हमने इसे जन आंदोलन में बदल दिया, इसलिए हमें किसी से कुछ सीखने की जरूरत नहीं है; बल्कि लोगों को कांग्रेस से सीखना चाहिए।'

रतन टाटा ने दिखाया कि सच्ची सफलता देश की सेवा में... गृह मंत्री शाह, सीएम योगी समेत कई नेताओं ने किया याद

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

देश के महान उद्योगपति और टाटा समूह के पूर्व चेयरमैन रतन टाटा की जयंती पर रविवार को देशभर के प्रमुख नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, पीयूष गोयल, शिवराज सिंह चौहान और अन्य नेताओं ने उनके योगदान को याद किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पोस्ट में लिखा कि रतन टाटा की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि, जिन्होंने ईमानदारी और करुणा के साथ भारतीय उद्यम को नया रूप दिया। स्वदेशी उद्योग बनाने से लेकर निस्वार्थ परोपकार तक, उन्होंने दिखाया कि सच्ची सफलता देश की सेवा में है। उनकी विरासत आत्मनिर्भर भारत को प्रेरित करेगी। बीजेपी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नीतीन नवीन ने एक्स पोस्ट में लिखा कि आज रतन टाटा की जयंती पर हम उन्हें याद करते हैं। उन्होंने ईमानदारी, बेहतरीन काम और सेवा के पक्के मूल्यों के साथ भारतीय बिजनेस की सबसे अच्छी परंपराओं को अपनाया। उन्होंने आगे कहा कि युवाओं के लिए, वह प्रेरणा की किरण थे, जिन्होंने यह साबित किया कि सफलता तभी सबसे ज्यादा मायने रखती है जब वह दया और विनम्रता पर आधारित हो। सपनों देखने वाली एक पीढ़ी को बड़े जोखिम उठाने और सीमाओं को पार करने के लिए सशक्त बनाकर, उन्होंने एक ऐसी विरासत छोड़ी है जो भारत के भविष्य को आकार देती रहेगी। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक्स पोस्ट में लिखा कि भारत की औद्योगिक प्रगति में अतुलनीय योगदान देने वाले महान उद्योगपति, टाटा समूह के पूर्व चेयरमैन रतन टाटा की जयंती पर कोटि-कोटि नमन करता हूं। रतन टाटा ने भारतीय उद्योग जगत को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। वे देश के विकास के लिए सदैव समर्पित रहे और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए अनेक अभूतपूर्व कार्य किए। आपके कार्य और प्रखर विचार सदैव युवाओं को अपने सपने पूरे करने के लिए प्रेरित करेंगे। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने एक्स पोस्ट में लिखा कि प्रख्यात उद्योगपति पद्म विभूषण रतन टाटा की जयंती पर उन्हें विनम्र अभिवादन। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने एक्स पोस्ट में लिखा कि रतन टाटा की जयंती पर मैं उनको सम्मान के साथ याद करता हूं। उनके नेतृत्व ने इनोवेशन को करुणा के साथ जोड़ा, और राष्ट्रीय विकास में भारतीय उद्यम की भूमिका को फिर से परिभाषित किया। उन्होंने जिन संस्थानों को पाला-पोसा और जिन मूल्यों को बढ़ावा दिया, वे पीढ़ियों को रास्ता दिखाते रहेंगे। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि रतन टाटा को उनकी जयंती पर याद कर रहा हूं।

207 सीटों पर बनी भाजपा-शिवसेना के बीच सहमति

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा मुंबई

भाजपा के शहर प्रमुख अमित साटम ने कहा कि सत्ताधारी महायुति के बीच मुंबई नगर निगम चुनावों के लिए 227 में से 207 सीटों पर सहमति बन गई है, जिसमें बीजेपी 128 और शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना 79 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। भाजपा और एकनाथ शिंदे की शिवसेना 15 जनवरी को होने वाले बीएमसी और अन्य निकाय चुनाव में मिलकर चुनाव लड़ेंगी। महायुति में अजीत पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी भी शामिल है। साटम ने शनिवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा, BMC की 207 सीटों पर सहमति बन गई है, जिसमें से बीजेपी 128 और शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना 79 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। बाकी 20 सीटों पर बातचीत चल रही है। इन सीटों पर उम्मीदवारों को ध्यान में रखकर फैसला लिया जाएगा।' साटम ने कहा, 'यह इस बारे में नहीं है कि कौन कितनी सीटों पर चुनाव लड़ता है। मायने यह रखता है कि कौन मुंबईकरों को भ्रष्टाचार मुक्त नागरिक प्रशासन दे सकता है। यह हिंदुत्व गठबंधन मुंबई को भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन देने के लिए है।' नवंबर 2024 के विधानसभा चुनावों से तुलना करते हुए साटम ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने शिवसेना के 'धनुष और तीर' चुनाव चिन्ह पर चुनाव लड़ा था, जबकि शिंदे के कुछ नेताओं ने 'कमल' चुनाव चिन्ह पर चुनाव लड़ा था। महायुति का मुकाबला उद्धव ठाकरे की शिवसेना और राज ठाकरे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के गठबंधन से है। बीएमसी में 227 सीटें हैं और कुल 1,03,44,315 मतदाता हैं, जिनमें 55,16,707 पुरुष, 48,26,509 महिलाएं और 1,099 मतदाता 'अन्य' के रूप में पंजीकृत हैं।

पाकिस्तान को झटका: चिनाब पर दुलहस्ती-2 को मंजूरी, 3200 करोड़ की परियोजना से भारत का कड़ा संदेश

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान निलंबित की गई सिंधु जल संधि के बाद भारत ने पाकिस्तान को एक और झटका दिया है। पर्यावरण मंत्रालय की विशेषज्ञ समिति ने जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में चिनाब नदी पर दुलहस्ती-2 जलविद्युत परियोजना को मंजूरी दे दी। बिजली उत्पादन की दृष्टि से अहम इस फैसले को रणनीतिक रूप से पड़ोसी के लिए कड़े संदेश के तौर पर देखा जा रहा है। जलविद्युत परियोजनाओं के लिए बनी विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (ईएसी) ने इस महीने की शुरुआत में इस परियोजना को स्वीकृति दी। इससे 3,200 करोड़ रुपये की लागत वाली रन-ऑफ-द-रिवर परियोजना के लिए निर्माण निविदाएं जारी करने का रास्ता साफ हो गया है। रन ऑफ द रिवर से तात्पर्य ऐसी परियोजना से है, जिसमें नदियों के जल प्रवाह में बिना बाधा डाले जल-विद्युत का उत्पादन किया जाता है। इसमें नदी के मार्ग में बिना बड़े बांध बनाए प्रवाहित जल का उपयोग किया जाता है। दुलहस्ती चरण-दो मौजूदा 390 मेगावाट की दुलहस्ती चरण-एक परियोजना का विस्तार है। इस नए प्लांट से लगभग 258 मेगावाट बिजली पैदा करने का लक्ष्य है। ऑपरेशन सिंदूर, सिंधु जल संधि के निलंबन और अब दुलहस्ती-2 परियोजना का स्पष्ट संदेश है कि आतंकवाद और जल संसाधनों के मुद्दों पर भारत अपनें हतों से कोई समझौता नहीं करेगा। ईएसी ने परियोजना के मापदंड 1960 की सिंधु जल संधि के प्रावधानों के अनुरूप ही तय किए। हालांकि, समिति ने यह भी दर्ज किया कि सिंधु जल संधि 23 अप्रैल 2025 से प्रभावी रूप से निलंबित है। पाकिस्तान लंबे समय से चेनाब नदी पर भारत की किसी भी सक्रियता का विरोध करता रहा है। 1960 की सिंधु जल संधि के तहत चेनाब, झेलम और सिंधु नदियों के पानी पर पाकिस्तान का मुख्य अधिकार माना जाता है

ब्रिटेन में भारतीय युवक ने नस्लीय भेदभाव का केस जीता

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा लंदन

ब्रिटेन में काम कर रहे एक भारतीय युवक ने नस्लीय भेदभाव और गलत तरीके से नौकरी से निकाले जाने के मामले में बड़ी कानूनी जीत हासिल की है। लंदन के एक केएफसी फ्रेंचाइजी आउटलेट के खिलाफ दायर मामले में रोजगार न्यायाधिकरण (ट्रिब्यूनल) ने भारतीय कर्मचारी के पक्ष में फैसला सुनाते हुए कंपनी को करीब 66,800 पाउंड (लगभग 70 लाख रुपये) मुआवजा देने का आदेश दिया है। तमिलनाडु के रहने वाले माधेश रविचंद्रन ने आरोप लगाया था कि दक्षिण-पूर्वी लंदन स्थित केएफसी आउटलेट में काम के दौरान उनके मैनेजर ने उनके साथ नस्लीय भेदभाव किया और अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। उनका कहना था कि उनके श्रीलंकाई तमिल मैनेजर ने उन्हें गुलाम कहा और यह भी कहा कि भारतीय धोखेबाज होते हैं। रोजगार न्यायाधिकरण के जज पॉल एबॉट ने अपने फैसले में कहा कि रविचंद्रन के साथ सीधे तौर पर नस्लीय भेदभाव हुआ। फैसले में कहा गया कि छुट्टी की उनकी मांग केवल इसलिए ठुकरा दी गई क्योंकि वे भारतीय थे, श्रीलंकाई तमिल कर्मचारियों को प्राथमिकता दी गई, उन्हें गुलाम और गाली जैसे शब्दों से अपमानित किया गया। न्यायाधीश ने कहा कि यह व्यवहार साफ तौर पर नस्ल के आधार पर कमतर और अपमानजनक था। रविचंद्रन ने जनवरी 2023 में केएफसी के वेस्ट विकहम आउटलेट में नौकरी शुरू की थी। कुछ महीनों बाद हालात बिगड़ने लगे। जुलाई 2023 में मैनेजर ने उनसे जरूरत से ज्यादा घंटे काम करने का दबाव डाला। इसी से परेशान होकर उन्होंने नौकरी छोड़ने का नोटिस दे दिया। इसके बाद भी मैनेजर ने उन्हें फोन पर धमकाया और नस्लीय गालियां दीं।

देश की सुरक्षा पहले: सेना ने बदली रणनीति

पहली बार डोडा-किश्तवाड़ में सर्दियों में तेज किया ऑपरेशन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा नई दिल्ली

हाड़ कंपा देने वाली सर्दी...। दूर-दूर तक तीन से चार फीट तक जमी बर्फ...। ये नजारे हैं इन दिनों कुपवाड़ा और बांदीपोरा जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के। हालात ऐसे कि हिम्मत जवाब दे दे। मौसम की चुनौतियों के बीच आतंकी घुसपैठ न कर सकें इसके लिए सेना और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने गश्त बढ़ा दी है। जवानों का जोश भी हाई है। नियमित गश्त करने के साथ ही वे दुश्मन की हर हरकत पर नजर रख रहे हैं। चिल्लेकलां के बीच कश्मीर में भीषण सर्दी की शुरुआत हो गई है। पहाड़ी क्षेत्रों विशेषकर नियंत्रण रेखा (एलओसी) से सटे पहाड़ों पर 3-4 बार बर्फबारी हो चुकी है। खूफिया सूचनाओं के अनुसार कश्मीर घाटी से सटी एलओसी के उस पार पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में विभिन्न लॉन्चिंग पैड पर करीब 150 आतंकवादी घुसपैठ करने के लिए तैयार बैठे हैं। सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इसके कुपवाड़ा, बारामुला और बांदीपोरा जिलों में जवान हाई अलर्ट पर हैं। अधिकारी ने बताया कि बर्फबारी में हमारे जवानों की मूवमेंट ट्रैक न हो सके इसके लिए वे विशेष सफेद यूनिफॉर्म पहन रहे हैं। इससे वे दुश्मन को नजर नहीं आते । किसी भी गतिविधि का पता चलते ही तुरंत टीमें सक्रिय हो जाती हैं और क्रॉस चेक करने के साथ ही कार्रवाई करती हैं। जवानों ने बताया कि दुश्मन के खतरे के अलावा बर्फीले तूफानों व हिमस्खलन का खतरा रहता है। कई फीट तक जमी बर्फ में रस्सी पकड़कर एक कतार में गश्त करते हैं ताकि एक-दूसरे की सुरक्षा को सुनिश्चित हो सके। अब बर्फबारी में भी घुसपैठ की कोशिश पहले पाकिस्तान में बैठे आतंकी आका बर्फबारी से पहले घुसपैठ कराने की कोशिश करते थे। सेना के एक अधिकारी ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में इस ट्रेंड में बदलाव आया है। अब बर्फबारी के बीच घुसपैठ की कोशिशें होने लगी हैं। कुपवाड़ा, बांदीपोरा और उड़ी सेक्टर के उस पार पीओके में स्थित आतंकी शिविरों में अभी भी आतंकवादियों की मौजूदगी की खबर मिल रही है। ऐसे में सतर्कता बढ़ा दी गई है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, संदीप कुमार के लिए कसाणा प्रिंटिंग प्रेस, नियर बस स्टैंड भिण्डुसी, तहसील- तिजारा, जिला- अलवर (राजस्थान) पिन कोड- 301405, से मुद्रित तथा 109, धर्मशाला के पास, वीपीओ- हींगवाहेड़ा, तहसील- तिजारा, जिला- अलवर (राजस्थान) पिन कोड- 301411 से प्रकाशित। संपादक, संदीप कुमार Mob- 9414508610 E-mail:- pratigya.alwar@gmail.com पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र अलवर होगा